स्काउट गाइड
ज्योति

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की आमुख पत्रिका
वर्ष–22, अंक–06, फरवरी 2022 (कुल पृष्ठ–28) मूल्य : रू.15/–

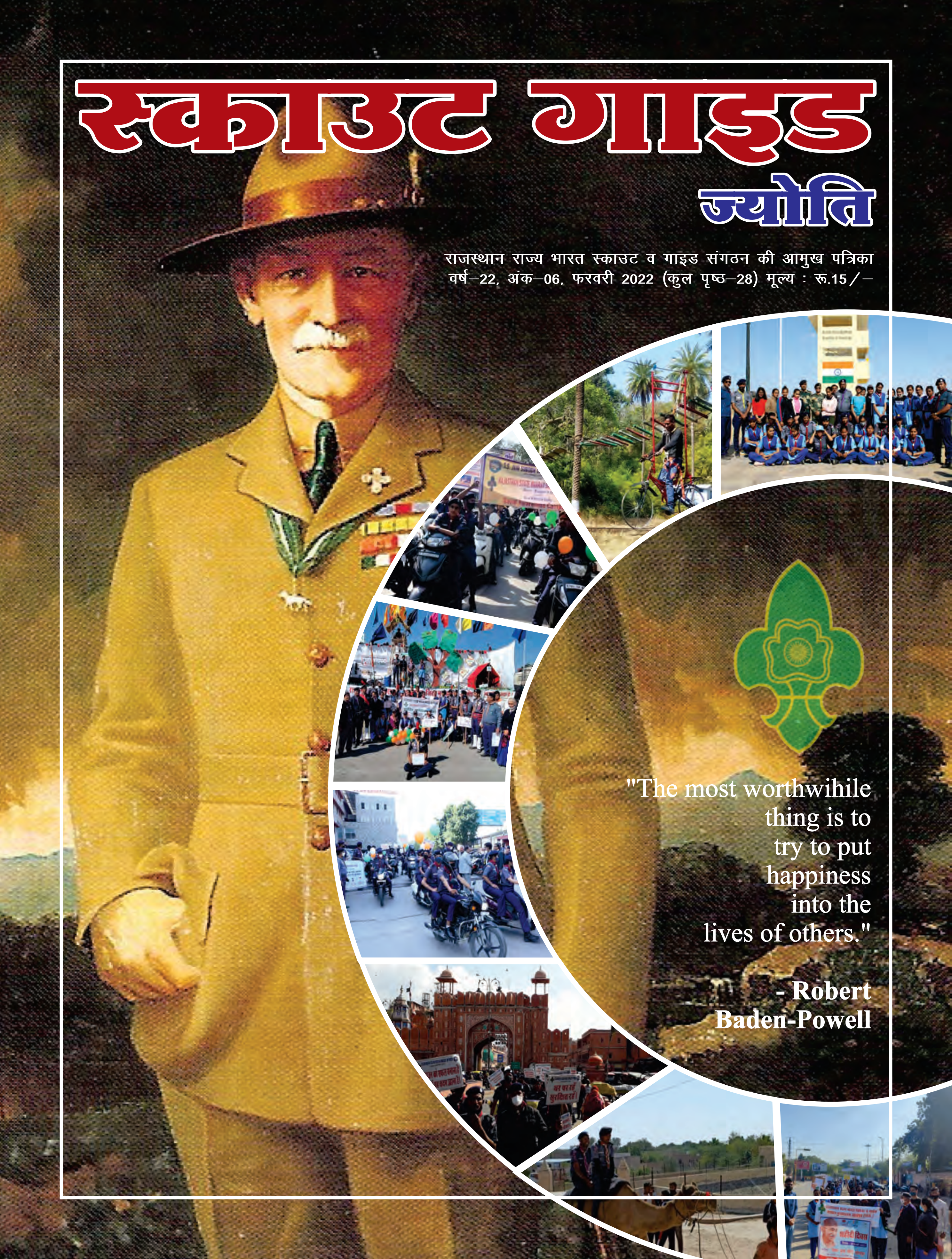

"The most worthwihile thing is to try to put happiness into the lives of others."

- Robert Baden-Powell

हार्दिक आभार

25 करोड़ रूपये का प्रावधान
राज्य विधान सभा में बजट घोषणा

23 फरवरी, 2022 को राज्य विधान सभा में वर्ष 2022–23 का वार्षिक बजट प्रस्तुत करते हुए राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने बजट घोषणा क्रमांक–44 की निम्नानुसार घोषणा की –

''प्रदेश में भारत स्काउट एवं गाइड से संबंधित गतिविधियों को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से 18वीं राष्ट्रीय भारत स्काउट गाइड जम्बूरी का आयोजन रोहट–पाली में किया जायेगा। इसमें देश–विदेश के लगभग 25 हजार स्काउट/गाइड भाग लेंगे। इस पर 25 करोड़ रूपये का व्यय होगा।''

माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई इस बजट घोषणा से संगठन में सर्वत्र खुशी की लहर दौड़ गई। राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य ने इस घोषणा के लिये माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करते हुए सभी पक्षों को इस आयोजन को भव्यतम रूप में आयोजित करने का आव्हान किया है।

प्रदेश स्काउट गाइड संगठन की ओर से माननीय मुख्यमंत्री जी का हार्दिक आभार

हार्दिक बधाई

हर्ष का विषय है कि राजस्थान सरकार द्वारा राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, प्रदेश संगठन के माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य को ''सलाहकार, माननीय मुख्यमंत्री महोदय'' के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है।

श्री आर्य साहब की नियुक्ति पर प्रदेश संगठन की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य को सलाहकार माननीय मुख्यमंत्री महोदय के पद पर नियुक्ति के लिए पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई देते हुए राज्य संगठन के स्टेट कमिश्नर (रोवर) श्री निर्मल पंवार एवं राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 22 अंक : 06
फरवरी, 2022

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

काना राम, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रुक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर
(हैडक्वार्टर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)
डॉ. अखिल शुक्ला

देवकीनंदन शर्मा
आर.एसी.एस.
राज्य कोषाध्यक्ष

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
सम्पादकीय	4
विशेष : जम्बूरी तैयारी बैठक	5
कोरोना जागरुकता पैदल मार्च	6
स्कूटी - बाईक जागरुकता रैली	7
नेशनल ग्रीन कोर : राष्ट्र स्तरीय विप्रो अर्थियन अवार्ड	8
एडवेंचर शिविर	9
आजादी का अमृत महोत्सव	9
सह शैक्षिक गतिविधियों में शामिल स्काउटिंग	10
हमारा स्वास्थ्य : घर में उपलब्ध सामग्री से उपचार	12
राष्ट्रीय बालिका दिवस शिक्षा मंत्री द्वारा पोस्टर विमोचन	13
जोडने वाला ही श्रेष्ठ	13
मानव व्यवहार का विश्लेषण	14
गतिविधि दर्पण	16
दक्षता पदक	23
प्रमुख दिवस : विश्व जल दिवस	24
गतिविधि पंचाग	26

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/- संस्थागत शुल्क :150/-	1200/-

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

समय है अमूल्य, इसे व्यर्थ न गवायें

हमारे स्काउट गाइड संगठन के लिए गर्व की बात है कि 23 फरवरी, 2022 को राज्य विधान सभा में वर्ष 2022–23 का वार्षिक बजट प्रस्तुत करते हुए राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने बजट घोषणा में कहा कि ''प्रदेश में भारत स्काउट एवं गाइड से संबंधित गतिविधियों को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से 18वीं राष्ट्रीय भारत स्काउट गाइड जम्बूरी का आयोजन रोहट–पाली में किया जायेगा। इसमें देश–विदेश के लगभग 25 हजार स्काउट गाइड भाग लेंगे। इस पर 25 करोड़ रूपये व्यय होगा।''

माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई इस बजट घोषणा के लिये मैं संगठन की ओर से माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ। अब हमें पूर्ण मनोयोग से इसके सफल व भव्य आयोजन के लिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। एक तरह से यह हमारी परीक्षा का समय है।

बात परीक्षा की चल रही है तो मैं कहना चाहुँगा कि हर युवा दिल में जीने की ख्वाहिश है और हर आँख में सुनहरे कल का सपना। उस सपने को सच करने के लिए युवा दिलो–जान से मेहनत करता है। सभी स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर की वार्षिक परीक्षाएं प्रारम्भ होने वाली हैं, आप परीक्षाओं की तैयारियों में जुट गये होंगे। मेरा आप सभी से यही कहना है कि आपने सुनहरे भविष्य के लिए जो सपने अपने दिलों में संजोए हुए हैं उनको सच करने के लिए नियमित पढ़ाई करते हुए एकाग्रचित्त होकर परीक्षाओं की तैयारी में जुट जाये। आज का परिश्रम ही आपके कल को संवारेगा।

सभी स्काउट गाइड अपने पूरे मनोयोग के साथ एकाग्रचित हो दृढ़ संकल्प के साथ अध्ययन और दोहरान के लिए रात–दिन एक कर दें। आशावादी बन शांत चित्त से वर्ष भर किए गए अध्ययन का ध्यानपूर्वक दोहरान करें। नियमित और योजना पूर्वक अपने विषयों का अध्ययन करते हुए समय का पूरा सदुपयोग करें। ध्यान रखें ''समय है अमूल्य, इसे व्यर्थ न गवायें''।

इस माह परीक्षाएं भी हैं, बहुरंगी विरासत को दर्शाते महाशिवरात्रि और होली भी, सभी के लिए मेरी ओर से आपको शुभकामनाएं....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

प्रदेश संगठन के सभी स्काउट गाइड, रोवर रेंजर व स्काउटर गाइडर को विदित ही है कि 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी का आयोजन राजस्थान प्रदेश द्वारा किया जा रहा है। इस विराट आयोजन के लिए सभी स्तर पर तैयारियां प्रारम्भ कर दी गई है। माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय का कहना है कि राजस्थान को 66 वर्ष पश्चात जम्बूरी के आयोजन का सुअवसर प्राप्त हुआ है, अतः हमें इसका शानदार व यादगार आयोजन करना है।

प्रदेश स्काउट गाइड संगठन प्रत्येक स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त करता रहा है और इसके पीछे हमारे सभी कार्यकर्ता कर्मठता और समर्पण से इस संगठन की सफलता और उत्तरोत्तर प्रगति में सहायक बने हैं। मैं प्रदेश संगठन के समस्त ऑर्गेनाइजर, आयुक्त, अधीनस्थ, मंत्रालयिक व सहायक कार्मिकों, अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को, जिनके अथक प्रयासों से राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान ने सदैव गौरवमयी स्थान प्राप्त किया है, से अपील करता हूँ कि आप सदैव की भांति इस आयोजन की सफलता के लिए पूरी लगन, निष्ठा एवं कर्तव्यपरायणता से कार्य करें।

साथ ही मेरा सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह है कि आप अपने क्षेत्र के स्काउटिंग गाइडिंग से जुड़े वयोवृद्ध अग्रज कार्यकर्ताओं से मिलकर राजस्थान में 1956 में आयोजित हुई द्वितीय राष्ट्रीय जम्बूरी से जुड़ी उनकी यादों को कलमबद्द करावें और यदि सम्भव हो तो पुराने यादगार फोटोग्राफ्स भी उनसे प्राप्त कर हमें भिजवायें। आगामी अंकों में राजस्थान में हो चुकी द्वितीय जम्बूरी की यादों के श्रृंखलाबद्ध प्रकाशन का विचार किया जा रहा है, जिसमें आप सभी कार्यकर्ताओं का सहयोग अपेक्षित है।

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

जम्बूरी तैयारी बैठक

राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य ने प्रेस प्रतिनिधियों को कराया अवगत

3 फरवरी को राज्य मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने राष्ट्रीय जम्बूरी की तैयारियों एवं रूपरेखा से अवगत कराया।

मीडिया को संबोधन से पूर्व श्री निरंजन आर्य को मुख्यमंत्री के सलाहकार के रूप में नियुक्ति पर स्टेट कमिश्नर श्री निर्मल पंवार एवं राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत करते हुए बधाई दी।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने गुरूवार 03 फरवरी, 2022 को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान स्काउट संगठन 66 वर्ष पश्चात प्रदेश में 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी का आयोजन करने जा रहा है। पूर्व में 1956 में प्रदेश में द्वितीय जम्बूरी आयोजित की गई थी।

श्री आर्य ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अशोक जी गहलोत स्वयं स्काउट रहे हैं और उनका स्काउटिंग के प्रति अत्यधिक लगाव है। माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार ही प्रदेश में राष्ट्रीय जम्बूरी का आयोजन किया जाना निश्चित किया गया है। जम्बूरी आयोजन के लिए पाली जिले के रोहट में स्थित भूमि का चयन किया गया है, जहाँ लगभग 30 हजार संभागियों के 10 दिन तक रहने, पानी, बिजली, दैनिक सुविधाओं इत्यादि की सुचारू व सुव्यवस्थित व्यवस्था के लिए कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। संबंधित विभागों को इस आयोजन से संबंधित कार्य आवंटित किये जा रहे हैं। श्री आर्य ने अवगत कराया कि इसके आयोजन के लिए राज्य सरकार से बजट आवंटन की स्वीकृति शीघ्र ही प्राप्त हो जायेगी।

श्री आर्य ने सभी को अवगत कराया कि राष्ट्रीय जम्बूरी में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। अब तक की जम्बूरियों में राजस्थान प्रदेश का दल सर्वोच्च पदक प्राप्त करता रहा है। इन गतिविधियों व प्रतियोगिताओं के आयोजन का जिम्मा राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा सम्भाला जाता है।

श्री आर्य ने जम्बूरी में सहभागिता के संदर्भ में बताया कि हमारा प्रयास है कि न केवल राष्ट्रीय वरन् दूसरे देशों के संभागी भी इसमें बढ़ चढ़कर सहभागिता करें। इसके लिए सार्क राष्ट्रों के अतिरिक्त अन्य राष्ट्रों को भी आमंत्रित किया जायेगा। विदेशी सहभागिता से हमारे बालक– बालिकाओं को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा...एक दूसरे की सभ्यता व संस्कृति, रहन–सहन, भाषा, खान– पान इत्यादि से रूबरू होंगे और यह जम्बूरी वसुधैव कुटुम्बकम को प्रदर्शित करेगी।

इस अवसर पर स्टेट कमिश्नर (रोवर) श्री निर्मल पंवार, स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर्स) व जम्बूरी कॉर्डिनेटर श्री एस.के. सोलंकी एवं राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन उपस्थित थे।

> गत कई वर्षों से प्रदेश के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय व अन्य पुरस्कार प्राप्त करने के बावजूद भी इसका फायदा नहीं मिल पा रहा है। अतः हमारा प्रयास है कि राष्ट्रीय व अन्य पुरस्कार प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों को नौकरी व प्रवेश में इनका फायदा मिले, इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी से आग्रह किया जा रहा है।
>
> –श्री निरंजन आर्य

विशेष

कोरोना जागरूकता पैदल मार्च

"कोविड- १९ गाइडलाईन की प्रदेश में पालना करवा रहे है स्काउट्स गाइड्स

- श्री निरंजन आर्य

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, बनीपार्क, जयपुर के तत्वावधान में 24 जनवरी, 2022 को प्रातः 10.00 बजे रोवर्स ने जन–जन को कोरोना के प्रति जागरूक करने हेतु पैदल मार्च एवं मास्क वितरण किया।

पैदल मार्च का शुभारम्भ माननीय राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य के निवास स्थान से उनके कर कमलों द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर श्री आर्य ने कहा कि स्काउटस गाइडस कोविड–19 गाइडलाईन की प्रदेश में पालना करवा रहे हैं। प्रदेश में 11.00 लाख स्काउट गाइड, रोवर रेंजर में से अधिकांश द्वारा जन–जन को मास्क वितरण, कोरोना–19 के प्रति जागरूक रहने हेतु पैदल मार्च, रैलियां, नारा–लेखन, वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से संदेश प्रदान कर रहे है।

राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने कहा कि प्रदेश में स्काउटस गाइडस रोवर रेंजर मण्डल, जिले, तहसील एवं विद्यालय स्तर पर मास्क वितरण कर, दो गज दूरी मास्क है जरूरी का संदेश देकर जन–जन को जागरूक करने का पूर्ण प्रयास कर रहे हैं। कार्यक्रम में राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य के साथ राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, सहा. राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) पूरण सिंह शेखावत, सहा. राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्रीमती नीता शर्मा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्यायुक्त जयपुर सुभाषचन्द यादव, सी.ओ. (स्काउट) शरद कुमार शर्मा, सी.ओ. (गाइड) ऋतु शर्मा एवं सहायक सचिव, चौमू प्रताप सोनी भी उपस्थित थे।

"घर में रूककर मत हो बेचैन तोडो कोविड–19 की यह चौन", "घर में रहें सुरक्षित रहें – कोरोना से बचे रहें", "हम सब का यही यह सपना – कोरोना मुक्त हो भारत देश अपना", "कर लो प्रण–होगा कोरोना का अन्त", "बिना हाथ धोये, अपने आँख, नाक, कान नहीं छुए कोरोना से हमेशा बचे रहें" आदि विभिन्न नारों की तख्तियां रोवर्स अपने हाथों में लेकर पूर्ण जोश एवं उमंग के साथ पैदल मार्च करते हुए मुख्य सचिव महोदय के निवास स्थान से रामबाग सर्किल, संतोकबा दुर्भलजी हॉस्पिटल के रास्ते, रामनिवास बाग होते हुए बडी चौपड़ से छोटी चौपड़ होते हुए बनीपार्क, जयपुर पर पहुंचे। रोवर्स द्वारा अपनी पैदल मार्च यात्रा के दौरान मार्ग में मास्क वितरण कर जन जन को कोरोना से बचाव हेतु जागरूक किया। स्काउट गाइड बनीपार्क, जयपुर कार्यालय में रैली का समापन किया गया।

स्कूटी-बाईक जागरूकता रैली
श्री निरंजन आर्य ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जयपुर एवं सुबोध पीजी कॉलेज के तत्वावधान में 08 फरवरी, 2022 को प्रातः 11.00 बजे सुबोध कॉलेज के रोवर्स रेंजर्स द्वारा निकाली गई स्कूटी बाइक रैली को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्टेट चीफ कमिश्नर एवं सलाहकार माननीय मुख्यमंत्री महोदय श्री निरंजन आर्य ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

श्री आर्य ने सुबोध पीजी कॉलेज में संचालित रोवर रेंजर इकाई की सराहना करते हुए कहा कि महाविद्यालय के विद्यार्थी समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए बहुत ही पुनीत कार्य कर रहे हैं, जिसकी वर्तमान में अत्यंत आवश्यकता है।

उक्त रैली एस.एम.एस. हॉस्पिटल से रामनिवास बाग होती हुई एस.एम.एस. हॉस्पिटल के सामने से सुबोध कॉलेज तक निकाली गई। रैली में 05 किलोमीटर की दूरी तय करके रोवर्स रेंजर्स ने जनता को सावधान और सुरक्षित रहकर कोरोना से बचाव का संदेश "मास्क लगाओं दूरी बनाए रखो" एवं राजस्थान सरकार द्वारा जारी गाइडलाईन की पालना करने का लोगों को संदेश दिया। छात्र–छात्राओं ने कोरोना बचाव के लिए अनिवार्य रूप से मास्क पहनने एवं बार–बार हाथ धोने की अपील भी की तथा स्लोगन लिखी तख्तियां से भी जनमानस को जागरूक किया। कार्यक्रम के शुभारम्भ में प्राचार्य प्रो. के.बी. शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय द्वारा समय–समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहे है। रेंजर्स व रोवर्स की इकाइयां बहुत अच्छा कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य स्काउट गाइड संगठन थे। डॉ. जैन ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए समाज सेवा एवं शिक्षण कार्य के साथ–साथ अन्य गतिविधियों की भी महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. ऋचा सिंघल को कार्यक्रम आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान सहा.राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) नीता शर्मा, सहा.राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) पूरण सिंह शेखावत, सी.ओ.. (स्काउट) शरद कुमार शर्मा, सी.ओ. (गाइड) ऋतु शर्मा एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

अन्त में रोवर इकाई के संयोजक डॉ. पवन शर्मा ने रोवर्स रेंजस एवं सभी पधारे अतिथियों को धन्यवाद दिया।

नियुक्ति

राज्य संगठन के माननीय राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने निम्न को राज्य संगठन में नियुक्ति प्रदान की है –

राज्य आयुक्त (हैडक्वाटर्स) **श्री एस.के. सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)**

राष्ट्रीय जम्बूरी कॉर्डिनेटर

राज्य संगठन की ओर से नव-नियुक्त पदाधिकारी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

संपादक

नेशनल ग्रीन कोर

राष्ट्र स्तरीय विप्रो अर्थियन अवार्ड

◆ नरेन्द्र सिंह रावत
व्याख्याता
रा.उ.मा.वि. कोटड़ा
ब्यावर, अजमेर

अजमेर जिले के ब्यावर उपखण्ड में कोटड़ा गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर के अर्थियन अवॉर्ड 2021 के लिए चयन हुआ है।

राज्य स्तर पर चयनित रिपोर्ट को सीईई के माध्यम से अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु भेजी गई, जहां विशेषज्ञों के पैनल की ओर से श्रेष्ठ बीस टीम में विद्यालय की टीम को अवार्ड के लिए चयनित किया गया। विद्यालय में नेशनल ग्रीन कोर के तहत गठित इको क्लब के प्रभारी स्काउटर नरेन्द्र सिंह रावत के मार्गदर्शन में स्काउट विद्यार्थी गोविन्द सिंह, राहुल सिंह, मनोज सिंह, ध्रूव सिंह तथा युवराज सिंह ने यह उपलब्धि प्राप्त की हैं। सभी चयनित विद्यालयों को फरवरी माह में बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

स्काउट्स द्वारा तैयार किये गये प्रोजेक्ट्स –

विद्यालय में संचालित की जा रही इस योजना के तहत विद्यार्थियों की ओर से जल, जैव विविधता एवं कचरा प्रबंधन, जैवविविधता एवं सस्टेनेबिलिटी, जल प्रबंधन पर स्काउट ने अलग अलग प्रोजेक्ट तैयार किए।

पेड़ पौधों की प्रजातियों की आपसी निर्भरता की जानकारी, पर्यावरण संतुलन में उनकी उपयोगिता, कचरे से खाद बनाने को संपूर्ण प्रक्रिया का अवलोकन, वैश्विक पर्यावरण को समझने के लिए टेरेरियम निर्माण, पशुपालकों और शहद बेचने वालों के साक्षात्कार, जीवों पर आधारित कहावतों, मुहावरों, परंपराओं और मान्यताओं का संकलन, हमारे दैनिक क्रियाकलापों का ग्लोबल वार्मिंग पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी जुटाई और इनसे संबंधित पशुपालकों और गांवों में रहने वाले लोगों से मिली जानकारी को रिपोर्ट में शामिल किया। कचरा प्रबंधन सस्टेनेबिलिटी की गतिविधियों में भी प्रभावी प्रोजेक्ट तैयार किए।

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन करेगा सम्मानित –

अर्थियन अवार्ड से देश की बीस विद्यालयों को अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। अवार्ड में विजेता विद्यालय को एक लाख रूपए, ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र व समारोह में भाग लेने के लिए शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बेंगलुरु की फ्री हवाई यात्रा, पांच सितारा होटल में ठहरने की सुविधा और सीईपी लर्निंग मॉड्यूल से नवाजा जाएगा।

विद्यालय को तीसरी बार मिलेगा अवार्ड –

विद्यार्थियों एवं आमजन में पर्यावरण जागरूकता पैदा करने के लिए बेहतरीन गतिविधियों पर आधारित प्रोजेक्ट के लिए विद्यालय का तीसरी बार चयन होना अजमेर जिले के लिए उपलब्धि है। इससे पहले स्काउट प्रभारी नरेन्द्र सिंह रावत के मार्गदर्शन में 2016 और 2020 में भी जल सस्टनेबिलिटी के लिए विद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित हो चुका है।

स्काउट्स के कार्य –

कचरा प्रबंधन में कचरा पैदा करने वाले स्थानों की जानकारी, प्रतिदिन तैयार होने वाले कचरे की मात्रा की ऑडिट, कचरे का वर्गीकरण, कचरा निस्तारण की विधियों, पर्यावरण पर कचरे के दुष्प्रभावों की जानकारी विद्यालय और घरों को कचरा मुक्त करने की विधियों की जानकारी आदि विषयों पर स्काउट्स ने कार्य किया हैं।

प्रधानाचार्य अवधेश शर्मा के अनुसार इस उपलब्धि का श्रेय टीम प्रभारी स्काउटर नरेन्द्र सिंह रावत के साथ–साथ पूरे विद्यालय परिवार को जाता है। इस राष्ट्रीय उपलब्धि पर प्रधानाचार्य अवधेश शर्मा, अनिल शर्मा, सरपंच प्रवीण सिंह, पूर्व सरपंच लाडू सिंह, विद्यालय विकास व प्रबंधन समिति के प्रभु सिंह, प्रताप सिंह, मुकेश भट्ट, उम्मेद सिंह, पन्ना सिंह सहित समस्त विद्यालय स्टाफ ने हर्ष व्यक्त किया।

एडवेंचर शिविर

संभागियों ने पेरासिलिंग, डेजर्ट बाइकिंग, केमल सफारी का लिया आनन्द

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, बीकानेर के तत्वावधान में एडवेंचर शिविर 08 से 12 फरवरी 2022 तक स्काउट/गाइड मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र, रिडमलसर में आयोजित हुआ। शिविर के समापन पर स्टेट कमिश्नर (स्काउट) एवं निदेशक माध्यमिक/प्रारम्भिक शिक्षा, राजस्थान श्री कानाराम ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट/गाइड संगठन बालक बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

निदेशक महोदय ने शिविर केन्द्र पर वॉल क्लाईम्बिंग, जिपलाईन, स्काई साइकलिंग, टायर टनल, टायर वॉल, कमान्डो ब्रिज, मंकी क्रोलिंग, मॉडल टेण्ट आदि गतिविधियों का लाईव प्रर्दशन का अवलोकन करते हुए कहा कि जीवन में जो सीमा दर्शन किया गया है वह अत्यन्त विशेष उपलब्धि है। शिविर में पेरासिलिंग, डेजर्ट बाइकिंग, केमल सफारी का भी संभागियों ने आनन्द लिया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में शिविर संचालक सहायक राज्य संगठन आयुक्त मानमहेन्द्र सिंह भाटी ने निदेशक महोदय को भारत स्काउट व गाइड संगठन द्वारा किये गये कार्यो की जानकारी दी। शिविर में कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश व राजस्थान के लगभग 100 संभागियों ने भाग लिया। इस शिविर में संभागियों को केमल फार्म, करणी माता मंदिर देशनोक, कोलायत एवं सांचू बॉर्डर का भ्रमण करवाया गया। इस अवसर पर एलटी देवानन्द पुरोहित, स्थानीय संघ बीकानेर सचिव घनश्याम स्वामी, मनप्रीत सिंह, सोहनलाल गोदारा, विधा पारीक, सुखिया, प्रदीप कुमार, पुष्कर लाल, शकील अहमद, गोविन्दराम, डिम्पल चॉडत, योगेश स्वामी, कपिल सुथार, रोहित कनोजिया, सत्यप्रकाश प्रजापत आदि ने भाग लिया।

शिविर का शुभारम्भ 08 फरवरी 2022 को अतिरिक्त संभागीय आयुक्त श्री ए.एच. गौरी द्वारा किया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव

जोधपुर आज तक

रंगों की रंगोली से मनाया आजादी का अमृत महोत्सव

जोधपुर आजतक। सेठ मांगीलाल सुखिया देवी गहलोत राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बीजवाड़िया (तिंवरी) में आजादी के 75 वर्ष में मनाए जा रहे अमृत महोत्सव में विद्यालय की बालिकाओं ने अपनी कल्पना में रंग भर कर विद्यालय परिसर में रंगोली उकेरी। इस उत्सव में 30 छात्राओं ने भाग लिया। चयनित कलाकृतियों को संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार को भेजा गया। साथ ही विद्यालय की शारीरिक शिक्षिका मंजू प्रजापति के निर्देशन में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अध्यापक महेंद्रसिंह पिलोवणी, विनोद आसेरी, रूपा चौधरी, शिक्षक भारती बोचावत, रवीना खेतानी, सविता चावला, विमला मीणा, अर्जुन सिंह, कुंजलता पुरोहित व भावना उपस्थित थे।

सह शैक्षिक गतिविधियों में शामिल स्काउटिंग

◇ **अनुकम्पा अरडावतिया**
प्रधानाचार्या
(प्रभारी सहा.जिला कमिश्नर गाइड)
स्थानीय संघ बुहाना झुन्झुनूं
राज.बालिका उच्च माध्य.विद्यालय
खानपुर मेहराना

इस सेवाभावी संगठन से छात्र-छात्राएं ही नहीं जोड़े जाते बल्कि एक शिक्षक, संस्था प्रधान अपने पदों के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी योग्यता अभिवृद्धि करता है और विभिन्न उपाधियों को प्राप्त करता है।

संस्था प्रधान के लिए बेसिक कमिश्नर कोर्स है जिसका प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी योग्यता अभिवृद्धि करते हुए एडवान्स कोर्स करते हैं। एक बेसिक कोर्स स्काउटर गाइडर एडवांस कोर्स, हिमालय वुडबेज, एएलटी, एलटी उपाधियां प्राप्त करता हैं और प्रशिक्षक के रूप में कार्य करता हैं।

"हमारे मनीषियों का वेद वाक्य है,

"या विद्या सा विमुक्तए"

अर्थात विद्या वह है जो मुक्त करती है अज्ञानता से।

अतः हम कह सकते हैं कि मात्र शैक्षिक गतिविधियों के द्वारा हम बच्चों को पुस्तकीय ज्ञान देकर जिविकोपार्जन लायक बनाने में सक्षम है लेकिन बच्चों का सर्वांगीण विकास कर सुयोग्य नागरिक बनाने में सक्षम नहीं है। ऐसी शिक्षा एकांगी होगी। अतः बालक के सर्वांगीण विकास एवं सुयोग्य नागरिक बनाने हेतु विद्यालय में सह शैक्षिक गतिविधियों का संचालन आवश्यक है।

इन प्रवृत्तियों के माध्यम से बालक में निहित विभिन्न शक्तियों को बाहर निकाल ने के अवसर मिलेंगे साथ ही मानसिक शारीरिक नैतिक सामाजिक मूल्यों का विकास भी करने में सक्षम होंगे।

यूं तो विद्यालय में संचालित सह शैक्षिक गतिविधियां अनेकों है जिनमें मुख्य रूप से विद्यालय में संचालित प्रवृतियां खेल कूद, बालसभा, संगीत, गायन, वाद–विवाद प्रतियोगिता, भाषण, सामान्य ज्ञान, उत्सव एवं जयन्तिया, वृक्षारोपण, एनएसएस, एनसीसी, स्काउटिंग गाइडिंग।

ऊपर वर्णित समस्त प्रवृतियां स्काउटिंग गाइडिंग में समाहित है। अतः स्काउटिंग गाइडिंग को इन सभी प्रवृत्तियों की जननी कहें तो अत्युक्ति नहीं होगी। स्काउटिंग के अतिरिक्त अन्य प्रवृतियां किसी एक उद्देश्य को पूरा करती है लेकिन स्काउटिंग गाइडिंग बालक की समस्त क्षमताओं को विकसित कर सर्वांगीण विकास कर विभिन्न विपरीत परिस्थितियों में जीने की कला सीखाती है साथ ही अनुशासित रह कर सेवा का पाठ भी पढ़ाती है।

इस गतिविधि द्वारा अनुशासन का प्रशिक्षण, नेतृत्व का विकास, चरित्र निर्माण, समानता, सहनशीलता की भावना श्रम के प्रति निष्ठा, स्वावलंबन, राष्ट्रीय एकता की भावना, पर्यावरण व पशु पक्षी प्रेमी आदि गुण बच्चों में समाहित किए जा सकते हैं।

स्काउटिंग विश्व आकाश पर फैली ऐसी संस्था है जो मानव मात्र ही नहीं पशु पक्षियों के कल्याण की प्रत्येक विषय वस्तु को गंभीरता से लेती है। स्काउटिंग शिक्षा का पूरक कार्यक्रम है। शिक्षा मात्र सूचनात्मक है जबकि स्काउटिंग उसे व्यावहारिक रूप प्रदान कर न्यूनतम साधन सुविधाओं में उच्च स्तरीय जीवन की कला प्रदान करती है इतना ही नहीं जहां कबिंग स्काउटिंग व रोवरिंग आयु वर्ग के अनुसार युवाओं तक मनोवैज्ञानिक व्यवहार आधारित व्यक्तित्व विकास की शिक्षा देने पर तत्पर व सक्रिय है वही ब्लू वर्ल्ड अर्थात बुलबुल गाइडिंग व रेंजरिंग बालिकाओं को भी समानांतर प्रणाली से ही सुनागरिकता की शिक्षा के द्वारा व्यवहारिक ज्ञान देने हेतु नारी सशक्तिकरण की दशा में क्रियाशील है।

अतः विद्यालय में अध्ययनरत बालक बालिकाओं के समग्र विकास के लिए देश के सुयोग्य सेवाभावी अनुशासित नागरिक तैयार करने के लिए स्काउटिंग गाइडिंग से जुड़ना आवश्यक है।

स्काउटिंग का संक्षिप्त इतिहास

स्काउटिंग के जन्मदाता लॉर्ड बेडेन पावेल है, जिन्होंने अपने सैन्य जीवन में विभिन्न पदों पर रहते हुए सैनिकों की कमी महसूस की और विचार किया...क्यों न बच्चों को नवयुवकों को जिनमें असीम शक्ति साहस है उन्हें इकट्ठा कर जासूसी चौकीदारी प्राथमिक सहायता पोस्टमैन पायनियरिंग आदि से प्रशिक्षित किया जाकर सेना के सीमित क्षेत्र से खींच कर जनसाधारण के बालक बालिकाओं तक लाने का प्रयास किया जाये? और उसमें सफलता भी प्राप्त की।

इस प्रकार 1907 में 20 बालकों को लेकर पहला कैंप ब्राउन सी आईलैंड में संचालित किया और सफल हुए। 1910 में उन्हीं की बहन एग्नेस ने सात लड़कियों से गर्ल गाइडिंग की शुरूआत की।

भारत में स्काउटिंग की शुरुआत

1909 में केटी और डेकर द्वारा भारत में बेंगलुरु में स्काउटिंग का श्रीगणेश किया गया। 1911 में श्रीमती

एनी बेसेंट द्वारा भारत में भी गाइडिंग की शुरुआत की गई। 1916 में संपूर्ण भारत में स्काउटिंग की शुरुआत हो गई।

आज पूरे विश्व में 216 देशों में स्काउटिंग संचालित है यह विश्व स्तर का आंदोलन है और विश्व का सबसे बड़ा युवा संगठन है जो यूनिफॉर्म में रहता है और प्राकृतिक आपदाएं हो या अन्य अवसर अपनी व दूसरों की सहायता करता है विकट परिस्थितियों में जीवन जीने की कला सिखाता है यह शैक्षिक आंदोलन है और स्वैच्छिक संगठन है। इसमें उत्तम नागरिकता का पाठ पढ़ाया जाता है खाली समय का सदुपयोग सिखाया जाता है प्रकृति से तालमेल भी सिखाता है।

एक सरकारी कर्मचारी अपनी सेवा के निश्चित 60 वर्ष पूरे करने पर सेवा से निवृत्त हो जाता है लेकिन इस सेवा संगठन से जुड़ा कार्मिक या सामान्य व्यक्ति आजीवन सेवा कार्य कर सकता है।

इस सेवाभावी संगठन से छात्र–छात्राएं ही नहीं जोड़े जाते बल्कि एक शिक्षक, संस्था प्रधान अपने पदों के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी योग्यता अभिवृद्धि करता है और विभिन्न उपाधियों को प्राप्त करता है।

संस्था प्रधान के लिए बेसिक कमिश्नर कोर्स है जिसका प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी योग्यता अभिवृद्धि करते हुए एडवान्स कोर्स करते हैं। एक बेसिक कोर्स स्काउटर गाइडर एडवांस कोर्स, हिमालय वुडबेज, एएलटी, एलटी उपाधियां प्राप्त करता हैं और प्रशिक्षक के रूप में कार्य करता हैं।

विद्यालय स्काउटिंग का संचालन कैसे?

इसके लिए विद्यालय में ग्रुप का निर्धारण कर रजिस्ट्रेशन करवाना आवश्यक है जो स्थानीय स्तर पर ब्लाक लेवल अधिकारियों द्वारा किया जाकर राज्य स्तर पर अनुशंसा की जाकर चार्टर जारी किया जाता है। विद्यालय में स्काउटिंग गतिविधि चलाने के लिए किसी अध्यापक अध्यापिका का प्रशिक्षित होना आवश्यक है प्रशिक्षण हेतु समय–समय पर प्रशिक्षण शिविर लगाए जाते हैं और ग्रुप संचालन के लिए सभी आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाते है।

प्रशिक्षित स्काउटर गाईंडर द्वारा जिला मुख्यालय द्वारा जारी वार्षिक कैलेंडर के अनुसार निर्धारित प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते है जिसमें बालक बालिकाओं की रुचि और उत्साह के अनुसार, आयु वर्ग के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाता हैं। आज अधिकांश विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक कक्षाएं संचालित है और लगभग अध्ययनरत बच्चों की आयु 5 से 18 वर्ष तक होगी। उनको आयु वर्ग के अनुसार प्रशिक्षित किया जाता है 5 से 10 वर्ष तक आयु वाले बालक बालिका को कब व बुलबुल के रूप में प्रशिक्षित कर भरसक प्रयत्न करो का मूल मंत्र दिया जाता है 10 से 18 वर्ष तक आयु वाले बालक बालिकाओं को स्काउट और गाइड के रूप में प्रशिक्षित कर तैयार रहो का मूल मंत्र सिखाया जाता है। 16 से 25 आयु के बालक बालिकाओं को रोवर रेंजर के रूप में प्रशिक्षित कर सेवा का मूल मंत्र दिया जाता है तीनों आयु वर्ग के कब बुलबुल, स्काउट गाइड, रोवर रेंजर को विभिन्न चरणों व निश्चित अवधि में प्रशिक्षित किया जा कर प्रमाण पत्र, बेज, अलंकार, पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं कब बुलबुल के लिए सर्वोच्च पुरस्कार गोल्डन एरो हीरक पंख है स्काउट गाइड और रोवर रेंजर के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार सर्वोच्च पुरस्कार है जिस पर राष्ट्रपति महोदय स्वयं हस्ताक्षर करते हैं। इतना ही नहीं स्काउटिंग विश्व का ऐसा संगठन है जो सभी स्तर के क्रियाशील कार्मिकों को भी धन्यवाद बेज, बार टू मेडल ऑफ मेरिट, मेडल ऑफ मेरिट, सिल्वर स्टार, सिल्वर एलीफेंट जैसे राष्ट्रीय स्तर के अलंकरण से अलंकृत करता है।

राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण व गतिविधियों हेतु राशि भारत स्काउट गाइड द्वारा ही वहन की जाती है। अन्य गतिविधियों शिविरों आदि में भाग लेने वाले स्काउट गाइड के लिए राशि छात्र कोष से की जाने की अनुमति विभाग द्वारा दी हुई है। एसडीएमसी से भी प्रस्ताव लेकर व्यय किया जा सकता है।

भविष्य में स्काउट गाइड के लिए संभावनाएं

स्काउट गाइड का राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार प्राप्त स्काउट गाइड रेलवे भर्ती के लिए आवेदन करने हेतु पात्र हैं। स्काउट गाइड के लिए विभिन्न जोन में स्पेशल भर्ती निकाली जाती है, जिसमें स्काउट गाइड ही आवेदन कर सकते हैं। सर्कल ऑर्गेनाइजर जो हमारे जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं उनकी नियुक्ति भी राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त स्काउट गाइड और स्नातक की डिग्री है वहीं छात्र पात्र होता है।

स्काउटिंग गतिविधि जिस विद्यालय में संचालित हैं और प्रशिक्षित स्काउटर गाइडर नियुक्त है वहां स्काउटर गाइडर को सामान्यीकरण से प्रथक रखा जाता है यदि हटाया जाना आवश्यक है तो उन्हीं विद्यालय में पदस्थापन किया जाता है जहां पर यह गतिविधि संचालित हो रही हो।

बच्चों में प्रारंभिक शिक्षा से ही अच्छा स्काउट गाइड बनाने के लिए जयपुर के जगतपुरा में बालचर आवासीय विद्यालय भी खोला गया है जिसमें राज्य के सभी जिलों के बालचर अध्ययनरत हैं। कक्षा 6 में प्रवेश लेकर यहां अध्ययनरत बच्चे यूनिफॉर्म में अध्ययन के साथ–साथ सेवा कार्य या स्काउट गाइड से जुड़ी हुई सभी गतिविधियों में भाग लेते हुए अध्ययनरत हैं।

अतः हम कह सकते हैं कि स्काउटिंग उत्तम नागरिकता की पाठशाला है, एक शिक्षाप्रद खेल है, खाली समय का सदुपयोग है। यह प्रसन्नता दायक वातावरण प्रदान कर प्रकृति से तादात्म्य स्थापित कर पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा देती है।

जय भारत जय स्काउट

हमारा स्वास्थ्य

घर में उपलब्ध सामग्री से उपचार

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव
साभार-'दैनिक नवज्योति'

- अजवायन का चूर्ण सूंघने से सिरदर्द व नजला दूर होता है और मस्तिष्क के सारे कीड़े भी नष्ट होते हैं।
- भोजन के बाद सीने में जलन होने पर अजवायन और एक बादाम दांतों से चबाकर खाएं।
- दूध हजम न होने पर या दूध पीने से गैस बनने पर दूध के बाद थोड़ा सा अजवायन का चूर्ण फांक लें।
- पेट में दर्द हो और भूख नहीं लगती हो तो अजवायन, काली मिर्च, सेंधा नमक पीसकर गर्म पानी के साथ लें।
- आधा चम्मच पिसी हुई सौंठ को फांककर ऊपर से गुनगुना दूध पीने से जुकाम दूर होता है। इसे सुबह और रात को सोते समय लें।
- खाना खाते ही शौच लगना या दिन में कई बार शौच जाना पड़ता हो और संग्रहणी हो तो बेल का 30 ग्राम गूदा, 5 ग्राम सौंठ और 10 ग्राम गुड मिलाकर लें। इसी तरह दिन में दो तीन बार यह मिश्रण लगातार 3–4 दिन तक लेने से लाभ होता है।
- पीलिया होने पर सफेद प्याज का रस, गुड़ और हल्दी को एक साथ घोटकर नाक से सूंघें।
- बवासीर होने पर पकी नीम की निंबौली पुराने गुड़ के साथ दिन में तीन बार खाएं।
- दांतों में कीड़ा लग जाने पर दालचीनी के तेल में रूई का फाहा बनाकर भिगोकर दांतों पर लगायें।
- बार–बार पेशाब आने पर आंवले का रस पानी में मिलाकर सुबह–शाम तीन दिन तक पीएं।
- बाल झड़ने पर एक लीटर पानी में आधा चम्मच सिरका मिले पानी से सिर धोएं।
- पेट दर्द होने पर भुनी हुई सौंफ खाने से लाभ होता है।
- मुंह में छाले हो जाने पर तुलसी के पत्तों का रस पानी में मिलाकर कुल्ले करें।
- कब्ज होने पर गुनगुने पानी में नींबू निचोड़कर पीएं।
- खूनी दस्त लगे हों तो पिसे हुए धनिए में मिश्री डालकर खाने से लाभ होता है।
- चोट लगने पर यदि खून बंद न हो तो पिसा हुआ धनिया घाव पर लगाएं।
- शरीर के किसी भी अंग पर सूजन आ गई हो तो धनिए को सिरके में पीसकर लेप करें।
- जल जाने पर तत्काल शहद का लेप करने से जलन बंद हो जाती है।
- दही में शहद मिलाकर बच्चों को चटाने से उनके दांत बड़ी आसानी से बिना दर्द के निकल आते हैं।
- मासिक धर्म में गड़बड़ी होने पर अथवा मासिक धर्म कम या ज्यादा होने पर अजवायन का तीन ग्राम चूर्ण दिन में दो बार गर्म दूध के साथ लें। मासिक धर्म नियमित हो जाएगा।
- हड्डी टूट जाने पर नियमित रूप से शहद का सेवन करने से हड्डी जल्दी जुड़ती है।

नोट : उपलब्ध सभी सामग्री केवल पाठकों की जानकारी और ज्ञानवर्धन के लिए दी गई है। हमारा आपसे विनम्र निवेदन है कि किसी भी उपाय को आजमाने से पहले अपने चिकित्सक से अवश्य संपर्क करें। हमारा उद्देश्य आपको आवश्यक और ज्ञानवर्धक जानकारी मुहैया कराना मात्र है। चिकित्सक की सलाह का कोई विकल्प नहीं है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस
शिक्षा मंत्री द्वारा पोस्टर विमोचन

भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, मालवीय नगर, जयपुर एवं अमृत ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में 15वें राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार डॉ. बी.डी. कल्ला ने पोस्टर का विमोचन करते हुए बालिकाओं को दुर्गा स्वरूपा बताते हुए बालिकाओं की विशेष शिक्षा एवं सामाजिक संरक्षण की बात कहते हुए स्काउट गाइड संगठन एवं अमृत ग्रुप द्वारा किए जा रहे वैक्सीनेशन शिविर तथा सामाजिक सरोकार आदि कार्यों की प्रशंसा की। माननीय शिक्षा मंत्री ने स्थानीय संघ स्तर पर राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाए जाने की पहल एवं परंपरा को एक अनुकरणीय मिसाल बताया।

अमृत ग्रुप के श्री राजन सरदार ने इस मौके पर बालिकाओं के लिए शीघ्र ही अमृत ग्रुप की ओर से वाटर कूलर लगाए जाने की भी घोषणा की। राष्ट्रीय बालिका दिवस सप्ताह के तहत विभिन्न ऑनलाइन स्लोगन, नारा लेखन, चित्रकला, स्वरचित कविता, आशु भाषण, निबंध आदि गतिविधियां कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग में आयोजित कर श्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। आयोजन में कार्यक्रम संयोजक एवं स्थानीय संघ सचिव के.के. शर्मा, अमृत ग्रुप के यशवंत सिंह, रामनाथ उदैनिया, गाइड कैप्टिन मंजू शर्मा एवं एम.एन. मॉडर्न पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय की गाइड सहित मालवीय नगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रेरक प्रसंग

जोड़ने वाला ही श्रेष्ठ

एक दिन किसी कारण से स्कूल की छुट्टी जल्दी हो जाने के कारण एक दर्जी का बेटा अपने पिताजी की दुकान पर चला गया। वहाँ जाकर वह बहुत ध्यान से अपने पिताजी को काम करते हुए देखने लगा, जो सिलाई करने में व्यस्त थे। उसने देखा कि पिताजी कैंची से कपड़े को काटते हैं और कैंची को पैर के नीचे रख देते हैं। फिर सुई से उसको सीते हैं और सीने के बाद सुई को अपनी टोपी पर लगा लेते हैं।

जब उसने इसी प्रक्रिया को चार–पाँच बार देखा तो उससे रहा नहीं गया और उसने पिताजी से कहा कि वह एक बात पूछना चाहता है। दर्जी ने कहा– ''हां, बेटा! पूछो, क्या पूछना चाहते हो?'' बेटे ने पूछा– ''मैं बहुत देर से आपको देख रहा हूँ, आप जब भी कपड़ा काटते हैं तो उसके बाद कैंची को पैर के नीचे दबा देते हैं और सुई से कपड़ा सीने के बाद उसे टोपी पर लगा लेते हैं, ऐसा क्यों?''

पिता ने बहुत प्यार से उसे देखा और उसके सिर हाथ फेरते हुए समझाया– ''बेटा! कैंची काटने का काम करती है और सुई जोड़ने का। सामान्य सा नियम है कि काटने वाले की जगह नीचे होती है और जोड़ने वाले का स्थान हमेशा ऊपर होता है। यही कारण है कि मैं सुई को टोपी पर लगाता हूँ और कैंची को पैर के नीचे दबा कर रखता हूँ।

श्रेष्ठ वही है, जो जोड़ता है। आप कुछ ऐसा काम करें जो आपको लोगों से जोड़ता हो। निश्चय ही यह काम आपको श्रेष्ठ बना देगा।

CELEBRATIONS FOR - MARCH 2022

04 March	:	National Security Day
08 March	:	International Women Day
21 March	:	World Forest Day
22 March	:	World Water Day
23 March	:	Shahid Diwas
30 March	:	Rajasthan Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

मानव व्यवहार का विश्लेषण

◆ सुरेन्द्र कुमार पाण्डे
सी.ओ. (स्काउट)
उदयपुर

जैसा कि हम सब जानते है कि मानव एक सामाजिक प्राणी है। उसके व्यक्तित्व का विकास होना जरूरी है। व्यक्तित्व के विकास के लिए यह जरूरी है कि वह अपने को सुरक्षित महसूस करे। व्यक्ति जब समूह में कार्य करता है अथवा रहता है तो वह अपने आप को अत्याधिक सुरक्षित भी महसूस करता है। शांतिपूर्वक समूह में रहने के लिए जरूरी है कि व्यक्ति स्वयं अपने आप को समझे तथा दूसरो के प्रति भी सकारात्मक अभिव्यक्ति रखे तथा दूसरों का सम्मान करे और उनकी प्रमुख विशेषताओं को तवज्जों दे।

किसी भी व्यक्ति को स्वयं सफल होने के लिए आवश्यक है कि वह सबसे पहले अपने आप में नेतृत्व के गुण पैदा करें, प्रत्येक दूसरे व्यक्ति के साथ स्नेह, आदर, सम्मान एवं भाईचारे की भावना रखे और उनका विश्वास अर्जित करते हुए दूसरो के साथ चले और दूसरो को साथ लेकर चले और उन्हें प्रगति पथ पर आगे बढ़ने में सदैव अपने आप को अग्रणी पंक्ति में खड़ा रहकर सहायता करें।

लेकिन प्रायः ऐसा देखने में आता है कि व्यक्ति विभिन्न परिस्थितियों में अपने आप को बदल लेता है। उनकी अभिवृत्ति, कार्य करने के तरीके परस्पर व्यवहार ही नहीं वरन उनका समस्त मानव व्यवहार मिनटों में बदल जाता है। यदि हम दूसरों को सही प्रकार से समझने तथा समायोजित करने का कौशल अपने अन्दर विकसित नहीं कर पाये तो हम अपने व्यक्तियों को खोने लगेंगे, जिससे हमारा ध्येय कमजोर पड़ता चला जाएगा और हम में नेतृत्व की भावना का विकास कभी भी संभव नही हो पायेगा।

यदि हमें व्यक्तियों को जोड़ना है और उन्हें जोड़े रखना है तो हमें अपने नेतृत्व के गुण को प्रभावशाली बनाये रखना होगा तथा अपने आचार विचार और व्यवहार का स्वयं विश्लेषण करना आवश्यक है। इसके लिए हमें निम्नांकित बिन्दुओं का अपने जीवन में समावेश करना नितान्त आवश्यक है :—

व्यवहार विश्लेषण :-

व्यवहार विश्लेषण जिसे टी.ए. (TRANSACTION ANALYSIS) कहते हैं। सर्वप्रथम इसे इरिक वर्न ने प्रतिपादित किया था। इरिक वर्न एक अमेरीकी मनोवैज्ञानिक थे जिसने सर्वप्रथम व्यवहार विश्लेषण का सिद्धान्त अपनी पुस्तक (Games People Play) में दिया था।

आचार विश्लेषण एक ऐसी प्रणाली अथवा उपगम है, जिससे व्यक्तियों के साथ पारस्परिक सम्बन्धों का विश्लेषण व स्पष्टीकरण किया जाता है, जिसे हम निम्नांकित बिन्दुओं के आधार पर समझ सकते हैं—

1. संरचनात्क विश्लेषण
2. खेल विश्लेषण
3. आचार विश्लेषण
4. लिपि विश्लेषण

संरचनात्क विश्लेषण -

इरिक वर्न के अनुसार प्रत्येक मनुष्य की तीन प्रकार की मनःस्थितियाँ (Ego Stags) होती है जिनसे उसके आचार, विचार तथा व्यवहार के आदान—प्रदान की जानकारी देखने को मिलती है। मानव की विशेषताओं के अनुरूप व्यक्ति के जीवन में तीन प्रकार की मनःस्थितियाँ देखने को मिलती है।

1. पैतृक (Parent)
2. व्यस्क (Adult)
3. बालक (Child)

पैतृक मनःस्थितिः—

पैतृक मनःस्थिति मानव की पांच वर्ष की अवस्था तक प्राप्त आचार विचार है, जो बाहरी अनुभव, प्रबोधनों, संवेदनाओं तथा व्यवहारों के आधार पर बनता है और हमें उस समय प्रभावित करते हैं जब की हम बचपन में बिना कुछ समझे बुझे, जाने—अनजाने, चुपचाप शांतिपूर्वक स्वीकार भी कर लेते हैं।

उदाहरण के तौर पर :—

अ) यदि सांप काट ले तो हम मर जाते है।

यदि एक बड़ा भाई अपने छोटे भाई से कहता है कि यदि सांप काट ले तो हम मर जाते है। अब यहाँ पर समझने वाली बात यह है कि छोटे भाई ने न तो कभी सांप देखा न ही सांप को किसी काटते हुए देखा उसने ऐसा भी कोई व्यक्ति नहीं देखा जो सांप के काटने पर उसकी मृत्यु हो गई हो। लेकिन फिर भी उसको विश्वास है कि सांप काटता है और

सांप के काटने पर व्यक्ति की मृत्यु भी हो जाती है। यह विश्वास उसे इस वजह से क्योंकि उसे ये बाते उसके अपनो तथा अन्य लोगो ने बताई थी।

ब) एक विशेष समुदाय के लोग खराब है।

यहां भी एक लड़के को उसके परिवार के सदस्यों या किया नजदीकी व्यक्ति ने यह बताया की एक विशेष समुदाय के लोग खराब हैं। यहाँ वह लड़का उस समुदाय विशेष के बारे में कुछ भी नहीं जानता लेकिन फिर भी वह उस समुदाय विशेष के लोगों को हेय दृष्टि से देखता है चूंकि यह बात उसके पैतृक मनःस्थिति में घर जो कर गई है।

स) हम जो कुछ करते हैं ईश्वर वह सब कुछ देखता है यदि हम दूसरों का बुरा करते हैं या हानि पहुँचाते हैं तो वह हमें दण्ड देता है।

यहां उस लड़के ने ईश्वर को कभी नहीं देखा और वह यह साबित भी नहीं कर सकता है कि ईश्वर हमें देख रहा है और सभी बुरा करने वालों को दण्डित भी करेगा चूंकि यहाँ पर यह बात उसे उसके बाल सुलभ मन में पैतृक मनःस्थिति अथवा उपदेश के रूप में समझायी गई थी।

व्यस्क मन:स्थिति-

व्यस्क मनःस्थिति वह स्थिति है जब से हम देखना तथा सुनना प्रारम्भ करते है तथा विभिन्न प्रकार के अनुभवों को महसूस करते हैं, जिसके आधार पर हमारे मन में नये–नये विचार जागृत होते हैं। यह नवीन विचार पैतृक मनःस्थिति एवं बाल सुलभ मन की अनुभूतियों को चुनौती देते हैं। व्यस्क मनःस्थिति का मतलब व्यक्तिगत अनुभव, प्रबोधन या किसी वस्तु विशेष के प्रति रूचि, लगाव अवरोध, परिचय तथा विश्लेषण के फलस्वरूप प्राप्त ज्ञान से है।

उदाहरण के तौर पर –

अ) पैतृक मन:स्थिति के अनुसार की यदि सांप काट लेगा तो हम मर जायेंगे।

ऐसी स्थिति में व्यस्क मन यह कहेगा कि जब तक आप सांप को छेड़ंगे नहीं तब तक वह काटेगा नहीं। सभी सांप जहरीले नहीं होते है तथा इस विस्तृत जानकारी के लिए आप उपलब्ध ज्ञानोपयोगी पुस्तकों एवं इन्टरनेट पर उपलब्ध जानकारियों के लिए उसे प्रेरित करेंगे।

ब) समुदाय विशेष के लोग बुरे होते हैं।

तब व्यस्क मन कह उठेगा की हर समुदाय में कुछ अच्छे लोग भी होते है। इस समुदाय को विगत दस वर्षों से जानता हूँ वह मेरे अच्छे मित्र हैं। मुझे तो उनमें कोई बुराई आज तक देखने को नहीं मिली।

स) बुरा करने पर ईश्वर दण्डित करेगा।

यहां व्यस्क मन तुरन्त प्रभाव से अपने विचार प्रकट करते हुए कहेगा की यदि तुम दूसरों को हानि पहुँचाओगे तो वे भी बदले में हानि पहुचायेंगे। अतः दूसरों से प्रेम करते हो तो दूसरे भी हमसे प्रेम करेंगे। शांति में ईश्वर का वास है।

बालक मन:स्थिति-

बाल्य मनःस्थिति वह मनःस्थिति है जिसमें कोई भी बालक पांच वर्ष की आयु तक जो भी कुछ देखते, सुनते है उसी के आधार पर आन्तरिक प्रत्युत्तर का निर्माण करते है। हम ज्यादातर हमारी अनुभूतियों तथा अनुभवों के अवबोध व निष्कर्ष का हमारी बालक मनस्थिति में निर्माण करते हैं।

उदाहरण के तौर पर –

एक 80 वर्षीय बुढ़ा व्यक्ति अपने दाहिने हाथ में डण्डा लिये हुए, आगे की तरफ झुका हुआ, जिसे आँखों से काफी कम दिखता है एक 08 वर्षीय अपनी पोती की सहायता से सड़क पार कर रहा है। जब वह बुढ़ा व्यक्ति कहता है ओह! बांयी तरफ से बस आ रही है यदि मैंने सड़क पार करने का प्रयास किया तो मैं सड़क पार नहीं कर पाऊँगा और मैं मर जाऊँगा। यहां वह बूढा व्यक्ति अपने आप को असुरक्षित महसूस करता है। उसके हाथ काँपते हैं चेहरा पीला पड़ जाता है तथा टांगे बढ़ने में हिचकिचाने लगती है। यहां ऐसी स्थिति में 80 वर्ष की आयु होने के बाद भी वह बुढ़ा व्यक्ति अपनी बाल मनःस्थिति में सोचता है और बोलता है। क्योंकि वह कल्पना करने लगता है कि दूर से बस तेजी से आ रही है और मृत्यु का भय उसके रोगटें खड़े कर देता है।

यहाँ वह 08 वर्षीय लड़की जो कि उस बूढे व्यक्ति की पोती है उस बुढ़े व्यक्ति यानि अपने दादाजी से कहती है कि दादाजी, डरिये मत! बस बहुत दूर है जब तक वह पास आयेगी उससे पहले ही हम बड़ी ही सरलता के साथ सड़क भी पार कर लेंगे। आइये, में आपको सड़क के उस पार पहुँचा दूं। उस लड़की का यह कथन यहां उसकी व्यस्क मनःस्थिति को प्रदर्शित कर रहा है। वह बुढ़े व्यक्ति की शारीरिक दशा से परिचित है। उसने बस को देखा और अनुमान लगाया की जब तक बस उनके पास पहुँचेंगी उससे पहले ही वह सड़क पार कर लेंगे। उसे यह भी विश्वास है कि वह बुढ़े व्यक्ति यानि अपने दादाजी को सरलता से सुरक्षित सड़क पार करा लेगी।

एक छोटा–सा रेल्वे स्टेशन है। ट्रेन केवल एक मिनिट रूकती है। मुसाफिर से भरी ट्रेन स्टेशन पर आ चुकी है। एक हष्टपुष्ट युवक मुसाफिर अपने सिर पर भारी बोझा उठाये ट्रेन में चढ़ने के लिए इधर से उधर भाग रहा था की किसी तरह से वह डिब्बे में चढ़ जाये पर उसे कोई रास्ता ही नहीं सुझ रहा था। क्योंकि ट्रेन में भीड़ बहुत अधिक थी और उसे इसी ट्रेन से जाना भी था। अचानक गाड़ी का सिंग्नल हो गया और गार्ड ने हरी झण्डी दिखा दी। ऐसी स्थिति में वह एक ड़िब्बे के दरवाजे के सामने जा कर खड़ा हो गया और बोला बाबा मुझे किसी तरह से ले लो, गाडी चलने वाली है मुझे इसी ट्रेन से अपने बीमार पिता को देखने जाना है।

यह बात वह अपनी बाल सुलभ मनःस्थिति में आकर कह रहा था। यदि वह ट्रेन छूट जाती है तो वह अपने बीमार पिता को कैसे देख पाता। यदि उसे पहुँचने में देरी हुई तो वह अपने पिता को सम्भवतः जीवित नहीं देख सकेगा। इस प्रकार तरह–तरह के विचार तथा डर की अनुभूति उसके मन मस्तिष्क पर छाने लगी। उस व्यक्ति की प्रार्थना पर डिब्बे के पास खड़ा मुसाफिर कहता है कि फिक्र मत करो भैया! इससे पहले की ट्रेन चले अपना सामान मुझे दे दो मैं अपने सिर पर रख लूंगा तब आप खाली हाथ ट्रेन के डिब्बे में चढ़ जाना। आओ! मैं तुम्हारी सहायता करता हूँ।

इस अवस्था में उस मुसाफिर का पैतृक मनःस्थिति का कथन है क्योंकि उसे बताया गया की दूसरों की जरूरत के समय सहायता करना एक सद्गुण होता है। थोड़ी देर में ही ट्रेन चल पड़ी और कुछ समय बाद ही टी टी आता है और कहता है ऐ! क्या तुम्हें मालूम है कि यह थ्री टियर डिब्बा है और इसमें साधारण टिकट वाला यात्री यात्रा नहीं कर सकता है। यहाँ उस टी टी का व्यस्क मन उस मुसाफिर को ऐसा कहने के लिए प्रेरित करता है क्योंकि हमें यह समझाया जाता है कि अपने कर्तव्यों का

शेष पृष्ठ 23 पर....

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित गतिविधियों, शिविर इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर मण्डल

अनुसूचित जाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, अजमेर के तत्वावधान में 7 से 11 फरवरी, 2022 तक अनुसूचित जाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अनुसूचित जाति के 16 स्काउट्स व 16 गाइड्स ने

सहभागिता कर यूनिफार्म, स्काउटिंग का इतिहास, सीटी के संकेत, हाथ के संकेत, नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झण्डा गीत आदि का प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर का संचालन सी.ओ. स्काउट अजमेर मनमोहन स्वर्णकार द्वारा किया गया।

भरतपुर मण्डल

मामचारी गांव के तालाब किनारे मनाया आर्द्रभूमि दिवस

- विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर मामचारी गांव के तालाब पर कई कार्यक्रमों का आयोजन जिला प्रशासन वन विभाग शिक्षा विभाग एवं भारत स्काउट व गाइड, करौली के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसके मुख्य अतिथि जिला कलक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत एवं पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह इंदौलिया थे। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार शर्मा, उप वन संरक्षक भू संरक्षण सुमित बंसल एवं उप वन संरक्षक वाइल्ड लाइफ रामानंद भाकर भी उपस्थित थे। इस

अवसर पर सीबीओ राम खिलाड़ी मीणा, डीईओ माध्यमिक भरत लाल मीणा आदि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य भूमिका स्काउट गाइड रोवर रेंजर की रही।

जयपुर मण्डल

बेसिक व एडवांस कोर्स हुए आयोजित

- भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, बनीपार्क, जयपुर पर 17 से 23 जनवरी तक आयोजित रेंजर लीडर बेसिक कोर्स में कुल 12 संभागीय ने तथा गाइड कैप्टन एडवांस कोर्स में कुल 10 गाइडर्स ने सहभागिता की। गाइड कैप्टन एडवांस कोर्स की संचालिका श्रीमती नीता शर्मा तथा रेंजर लीडर बेसिक कोर्स की संचालिका सुश्री निर्मला माथुर थी। उक्त प्रशिक्षण शिविरों में प्रवेश से लेकर तृतीय सोपान तक के संपूर्ण कोर्स का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें नीति नियम उद्देश्य से लेकर पायनियरिंग, प्राथमिक चिकित्सा, अनुमान

लगाना, बीपी सिक्स, आग जलाना, हाइक, हैंडीक्राफ्ट, कैंप क्राफ्ट, विभिन्न प्रकार के खेल, कैंप फायर इत्यादि का प्रशिक्षण दिया गया। उक्त दोनों शिविरों का समापन 23 जनवरी को कोविड गाइडलाइन की अनुपालना में वर्चुअल किया गया।

महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि व शांति मार्च रैली

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा शांति मार्च रैली निकाली गई। सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती नीता शर्मा तथा सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरन सिंह शेखावत, सी.ओ. स्काउट शरद शर्मा सी.ओ. गाइड रितु शर्मा तथा 70 रेंजर्स रोवर्स ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम व रैली में सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नीता शर्मा ने किया तथा नेहरू युवा केन्द्र के उप निदेशक श्री एम.एस.

सिसोदिया, एएसओसी स्काउट पूरन सिंह शेखावत व एएसओसी गाइड नीता शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर शांति मार्च को रवाना किया। शांति मार्च स्काउट गाइड मंडल मुख्यालय, बनीपार्क से रवाना होकर कलेक्ट्रेट चौराहा होते हुए खासा कोठी से वापस स्काउट गाइड कार्यालय बनीपार्क पहुंची।

इको क्लब सदस्यों ने मनाया विश्व आर्द्रता दिवस

◈ भारत स्काउट एवं गाइड तथा नेशनल ग्रीन कोर, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर के निर्देशानुसार विभिन्न स्थानों पर विश्व आर्द्रता दिवस मनाया गया। स्थानीय संघ श्रीमाधोपुर के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सीमारला कोटड़ी में स्काउटर फूल शंकर पारीक, गाइडर भगवती जाटोलिया के संरक्षण में विश्व आर्द्रता दिवस के उपलक्ष में भित्ति चित्र प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता करवाई गई। इस अवसर पर क्विज प्रतियोगिता में निशा प्रथम स्थान, पल्लवी मीणा द्वितीय स्थान, भित्ति चित्र में कल्पना बसरा प्रथम स्थान, दिव्यांशु शर्मा द्वितीय स्थान, भाषण प्रतियोगिता में महिमा प्रथम स्थान, दुर्गेश द्वितीय स्थान रहीं। गाइडर भगवती जाटोलिया और गाइड फूलशंकर पारीक ने आर्द्रता दिवस का इतिहास, उपयोगिता की जानकारी प्रदान की। प्रधानाध्यापिका प्रियंका व समस्त स्टाफ ओम प्रकाश रेगर, बने सिंह, पिंकी मीणा उपस्थित रहे।

जे.आर. मेमोरियल शिक्षण संस्थान चक में संस्था प्रधान राम लाल महला के सान्निध्य में स्काउटस् द्वारा विश्व आर्द्र भूमि दिवस मनाया गया, इस अवसर पर इको क्लब प्रभारी व

स्काउट मास्टर राजेंद्र महला के नेतृत्व में निबन्ध लेखन, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रामलाल महला ने विश्व आर्द्र दिवस के इतिहास, उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सरगोठ के स्काउट मास्टर एवं इको क्लब प्रभारी शंकर लाल रेगर के निर्देशन में विद्यालय के इको क्लब सदस्यों व स्काउट्स ने आर्द्रता दिवस पर जनचेतना रैली का आयोजन किया।

राधा–कृष्ण मारो राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर में इको क्लब प्रभारी श्रीमती सुमन के नेतृत्व में विश्व आर्द्रता दिवस पर पर्यावरण चेतना के अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। बीपी ओपन रोवर क्रू खंडेला के रोवर राकेश कुमार के नेतृत्व में भूमि में नमी बनाए रखने हेतु अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से जन चेतना का कार्य किया गया।

शहीद दिवस पर शांति मार्च

◈ जिला प्रशासन, जिला युवा बोर्ड, नेहरू युवा केंद्र संगठन एवं स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सीकर के युवाओं के माध्यम से जिला मुख्यालय पर 30 जनवरी 2022 को शहीद दिवस के अवसर पर शांति मार्च का आयोजन किया गया। जिला कलक्टर कार्यालय स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा का माल्यार्पण किया गया एवं उपस्थित अधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने पुष्प अर्पित किये। तत्पश्चात रामधुन का आयोजन किया गया। कला एवं संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार युवाओं ने शांति मार्च निकाला, जिससे अतिरिक्त जिला कलेक्टर धारा सिंह मीणा, रामचंद्र पिलानिया मुख्य जिला

शिक्षा अधिकारी सीकर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह मार्च जिला कलक्टर कार्यालय से कल्याण सर्किल होते हुए अहिंसा सर्किल तापड़िया बगीची तक निकला।

इस अवसर पर खेल स्टेडियम से खिलाड़ी, नेहरू युवा केंद्र से स्वयंसेवक एवं भारत स्काउट गाइड से स्काउट एवं गाइड, रोवर रेंजर, आपदा प्रबंधन के सदस्य एवं युवाओं ने भाग लिया। इनके अतिरिक्त विभिन्न विभागों से अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

गांधी आयोजन समिति सदस्य शिव भगवान नागा, इतिहासकार महावीर पुरोहित, सीकर एसडीएम गरिमा लाटा, प्रशासनिक सुधार विभाग के सहायक निदेशक राकेश लाटा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक ओम प्रकाश राड़, जिला खेल अधिकारी अशोक कुमार, सीओ स्काउट बसंत कुमार लाटा, नेहरू युवा केंद्र जिला युवा अधिकारी तरुण जोशी, स्काउट सचिव महेंद्र पारीक, पुरुषोत्तम चेजारा, मनोहर लाल, धनराज सैनी, दुर्गेश, कविता, जितेंद्र, रोनित, विजय सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर दीपोत्सव कार्यक्रम

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ सीकर, नागेश्वर बगीची में गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थानीय संघ सचिव महेंद्र कुमार पारीक ने बताया कि गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आजादी का अमृत महोत्सव भारत के मानचित्र पर दीपमाला से बड़े ही

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पूर्व संध्या पर सभी देशवासियों को गणतंत्र की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस दौरान सी.ओ. स्काउट बसन्त कुमार लाटा ने प्रत्येक स्काउट एवं गाइड को देश सेवा के लिये तैयार रहने को कहा। स्थानीय कार्यकारिणी अध्यक्ष योग गुरु केसर देव ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को राष्ट्र की अखंडता एवं एकता बनाये रखने की अपील की तथा देश के संविधान की गरिमा बनाये रखने की बात कही। इस दौरान योगाचार्य रामावतार यादव, रेंजर लीडर निर्मला माथुर, स्काउट रोनित जोगानी, रेंजर कविता दानोदिया व जिज्ञासा उपस्थित रहे।

जोधपुर मण्डल

विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर रेगिस्तान रा रूंख वाटिका का निर्माण

- राजकीय पीजी महाविद्यालय, बाड़मेर के एयर ओवर क्रू के द्वारा रेगिस्तान रा रूंख नामक वाटिका का निर्माण किया गया। इंडियन ट्रस्ट फॉर रूरल हेरिटेज एंड डेवलपमेंट, नई दिल्ली के सौजन्य से विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर इस डेजर्ट पार्क का निर्माण करवाया गया। इस अवसर पर रोवर्स के

साथ कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर एस.के. जैन, वरिष्ठ सदस्य डॉ. लक्ष्मी नारायण नागौरी, डॉ. सोहनराज परमार और यूनिट लीडर डॉ. आदर्श किशोर ने पौधारोपण किया। एक रोवर ने एक पौधे की जिम्मेदारी ली। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत पिचहत्तर पौधे लगाए गए, जिसमें एयर रोवर के साथ साथ उजास रोवर और एनसीसी कैडेट ने भी जिम्मेदारी ली। इसमें भारतीय ग्रामीण विरासत एवं विकास संस्थान के बाड़मेर हार्ट यशोवर्धन ने बताया कि स्थानीय थार की वनस्पतियां व घास को जिंदा रखने का कार्य किया जाएगा। संस्था के चेयरमैन एस.के. मिश्रा, मोरीन लेबल एवं प्रोजेक्ट डायरेक्टर अमृता सिंह के मार्गदर्शन व सहयोग से इसका निर्माण किया जा रहा है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के शहीद दिवस पर शांति मार्च

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही के तत्वावधान में राजस्थान युवा बोर्ड, युवा मामले खेल विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के पुण्यतिथि शहीद दिवस के अवसर पर शांति मार्च का आयोजन किया गया। जिला कलक्टर डॉ. भंवरलाल ने दशहरा मैदान से शांति मार्च को रवाना किया, साथ ही अतिरिक्त जिला कलक्टर कालूराम खोड़, राजेंद्र सांखला जिला संयोजक गांधी एवं दर्शन समिति, उपखंड संयोजक जयंतीलाल माली, नीरज कुमारी तहसीलदार सिरोही, मोहित कुमार जिला युवा अधिकारी नेहरू युवा केंद्र, गणपत सिंह देवड़ा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

दशहरा मैदान से इंद्रा खत्री हिमालय वुड बैज गाइडर

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सिरोही एवं हिमालय वुड बैज स्काउटर भंवर सिंह दहिया के नेतृत्व में महात्मा गांधी के प्रेरणादायक संदेश, कोरोना जागरुकता के संदेश लिखी हुई तख्तियां लेते हुए गांधी पार्क पर संपन्न हुआ। शांति मार्च के समापन पर गांधी पार्क पर राजेंद्र सांखला जिला संयोजक गांधी एवं दर्शन स्मृति द्वारा महात्मा गांधी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया तथा बताया कि महात्मा गांधी ने देश को किस तरह अहिंसा के मार्ग पर चलकर आजादी में सहयोग किया।

इंद्रा खत्री ने आत्मनिर्भर भारत पर वार्ता देते हुए युवाओं को संदेश दिया कि वह अपने ही देश में रहकर अपने ही देश के लिए कार्य करें और स्वयं आत्मनर्भर हो साथ ही देश को भी आत्मनिर्भर बनाएं ताकि देश का रुपया देश में ही रहे और इसे उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे गरीबी कुछ हद तक कम होगी और दूसरे देशों पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा।

मंच संचालन भंवर सिंह दहिया ने किया एवं नरेंद्र खोरवाल सी.ओ. स्काउट सिरोही ने आभार व्यक्त किया।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर प्रतियोगिताओं का आयोजन

जिला पर्यावरण समिति एवं वन विभाग तथा स्काउट गाइड जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा राजकीय विशिष्ट माध्यमिक विद्यालय सिरोही में 2 फरवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाया गया। रेंजर चुन्नीलाल पुरोहित के अनुसार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं जिला पर्यावरण समिति के अध्यक्ष जिला कलक्टर डॉ. भंवरलाल, अध्यक्ष डीएफओ शुभम जैन तथा विशिष्ट अतिथि श्रीमती कमला सिंह प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नवीन भवन सिरोही, सी.ओ. स्काउट नरेंद्र कुमार खोरवाल, आयुक्त नगर परिषद महेंद्र चौधरी, विश्व पर्यावरण संरक्षण मिशन के प्रदेश कार्यक्रम प्रमुख गोपाल सिंह राव का आथित्य रहा। अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम की शुरुआत की। रेंजर पिंडवाड़ा लक्ष्मण राम सुरेशा ने स्वागत भाषण दिया।

जिला कलक्टर डॉ. भंवरलाल ने जल व पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाश डाला एवं कार्यक्रम में जागरूकता लाते हुए इसे स्वयं से शुरुआत करने के लिए कहा की दिवस बनाने के बाद इस विश्व आर्द्रता दिवस के उद्देश्य को जीवन में उतार कर उसके लिए सही दिशा में कार्य करना चाहिए।

डीएफओ शुभम जैन ने आर्द्र भूमि के संरक्षण संवर्धन पर मार्गदर्शन प्रदान किया। समारोह को गाइडर इंदिरा खत्री, विश्व पर्यावरण संरक्षण मिशन के प्रदेश कार्यक्रम प्रमुख गोपाल सिंह राव ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में चित्रकला प्रतियोगिता में लक्षिता राव ने अव्वल स्थान प्राप्त किया। ऋषिका माली द्वितीय तथा कुसुम कुंवर व धानवी खत्री तृतीय स्थान पर रही। भाषण प्रतियोगिता में अशोक कुमार प्रथम, करीना कुमारी द्वितीय, निहारिक तृतीय स्थान पर रही। निबंध प्रतियोगिता में तुषार रावल प्रथम, असमा बानो द्वितीय तथा रूपी देवासी तृतीय स्थान पर रही। विजेताओं को स्मृति चिन्ह तथा जिला कलक्टर अध्यक्ष जिला पर्यावरण समिति सिरोही अध्यक्ष एवं डीएफओ सदस्य सचिव जिला पर्यावरण समिति सिरोही के हस्ताक्षर युक्त प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

शहीद दिवस पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा

भारत स्काउट व गाइड, सिरोही के स्थानीय संघ रेवदर व संघवी हंसराज कानाजी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जीरावल के संयुक्त तत्वावधान में स्काउट बालचरों द्वारा विद्यालय में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में विद्यालय के संस्था प्रधान कमलकांत शर्मा, व्याख्याता भगवत सिंह सोलंकी, लक्ष्मी सुथार, रामराज गुर्जर, रमेश चंद्र, विद्यालय स्टाफ व स्काउट गाइड ने भाग लिया। इस अवसर पर बापू के प्रिय भजन का गायन किया गया। इसके पश्चात रेवदर से मलावा तक गांधी शांति मार्च को संस्था प्रधान कमल शर्मा ने झंडी दिखाकर रवाना किया। मलावा ग्राम में लोगों को अहिंसा और शांति का संदेश देते हुए रैली खेतलाजी मंदिर प्रांगण में पहुँची। इस अवसर पर गांधी दर्शन की प्रासंगिकता व जीवनी पर विचारों पर स्थानीय संघ सचिव मुकेश पुरोहित, भामरा विद्यालय के संस्था प्रधान देवकिशन पुरोहित द्वारा प्रकाश डाला गया। गांधी मार्च में स्काउट मगन लाल, आनंद सिंह, भंवर लाल,

तुलसी राम, जितेंद्र कुमार, रिषिका कुमारी, हेतल कुंवर, चंचल पुरोहित सहित पचास स्काउट गाइड ने भाग लिया।

अनुसूचित जाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण प्रारम्भ

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जालोर के तत्वावधान में 8 जनवरी से जिला स्तरीय अनुसूचित जाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर स्काउट गाइड जिला मुख्यालय जालोर में प्रारंभ हुआ। शिविर के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि रविंद्र कुमार मीणा जिला अपर सेशन न्यायाधीश थे एवं अध्यक्षता चुन्नीलाल परिहार जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा एवं विशिष्ट आतिथ्य अजय चौहान प्रदेश अध्यक्ष मानवाधिकार न्याय सुरक्षा अधिकार राजस्थान ने की। सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने शिविर

संबंधित जानकारी देते हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस शिविर में विभिन्न विद्यालयों के 34 स्काउट गाइड प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिनको श्री बखेडूराम राजकीय माध्यमिक विद्यालय कुआरड़ा, राज सिंह स्काउटर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बांदनवाडी, छगनलाल स्काउटर राजकीय प्राथमिक विद्यालय डीगिवाली, श्रवण कुमार स्काउटर राजकीय माध्यमिक विद्यालय बाकरा रोड द्वारा प्रशिक्षण दिया गया हैं।

कोटा मण्डल

सुब्बाराव जी के जन्मदिन पर सर्वधर्म संगोष्ठी

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, कोटा के तत्वावधान में डॉक्टर एस.एन. सुब्बाराव जी के 94वें जन्म दिवस के अवसर पर स्काउट गाइड रोवर रेंजर द्वारा सर्व समभाव राष्ट्रीय एकता कार्यक्रम का सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर के मुख्य आतिथ्य एवं सर्कल ऑर्गेनाइजर प्रदीप चित्तौड़ा के निर्देशन में रोवर रेंजर के माध्यम से रैली गीत व संगोष्ठी आयोजित कर आमजन को राष्ट्रीय एकता के सुर में बंधे रहने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक विनय राज सिंह ने बताया कि सभी धर्मों के अनुयायियों द्वारा सभी धर्मों का सम्मान करने एवं एकजुटता के साथ राष्ट्रीय सेवा में अग्रसर होने का रोवर

रेंजर ने रैली एवं गीत के माध्यम से आमजन को संदेश दिया। संगोष्ठी में श्री माथुर ने श्री सुब्बाराव जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए सभी को उनका मूलमंत्र 'राष्ट्रीय एकता' का संदेश दिया। सर्कल ऑर्गेनाइजर प्रदीप चित्तौड़ा ने रोवर रेंजर को एकता एवं सेवा की प्रतिज्ञा दिलवाई। संगोष्ठी में सभी धर्मों के अनुयायियों ने भी अपने–अपने धर्म के बारे में बताते हुए राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर सर्कल ऑर्गेनाइजर गाइड प्रीति कुमारी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अनुसूचित जाति के बच्चों ने लिया प्रशिक्षण

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झालावाड़ के तत्वावधान में राज्य मुख्यालय जयपुर के निर्देशों की अनुपालना में अनुसूचित जाति स्काउट गाइड के 5 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 8 फरवरी से प्रारम्भ किया गया। शिविर में प्रातः स्काउट गाइड व्यायाम, सेवा कार्य उसके पश्चात् मुख्य अतिथि पुरूषोत्तम माहेश्वरी जिला शिक्षा अधिकारी प्रा. एवं माध्य. शिक्षा, झालावाड एवं रामकृष्ण शर्मा सर्कल ऑर्गेनाइजर (स्काउट) द्वारा ध्वजारोहण कर स्काउट गाइड को आर्शिवचन प्रदान किया गया। श्रीमती मेहराब बी अली जिला प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) द्वारा स्काउट गाइड को यूनिफार्म, स्काउटिंग का इतिहास, सीटी के संकेत, हाथ के संकेत, नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झण्डा गीत आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिविर संचालक लोकेन्द्र शर्मा ने बताया की इस शिविर में अनुसूचित जाति के 16–16 स्काउट गाइड ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण शिविर में

स्काउटर बिरधी चन्द मीणा, नेमीचन्द प्रजापति, राकेश कुमार, गाइडर श्रीमती प्रियंका द्वारा प्रशिक्षण में सहयोग प्रदान किया गया।

स्काउट गाइड ने निकाली स्वच्छता चेतना रैली

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झालावाड़ के तत्वावधान में आयोजित अनुसुचित जाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर के सम्भागियों ने 10 फरवरी, 2022 को लोकेन्द्र शर्मा शिविर संचालक के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत गढ परिसर से राडी के बालाजी तक

स्वच्छता रैली निकाल कर आमजन को जागरूक किया। मुख्य अतिथि रामकृष्ण शर्मा सी.ओ.(स्काउट) ने हरी झण्डी दिखाकर रैली को रवाना किया। चौथमल शर्मा, बिरधी लाल मीणा, नेमीचन्द, राकेश कुमार, गाइडर मेहराज बी अली, प्रियंका आदि ने स्काउट गाइड स्वच्छता रैली में सहयोग प्रदान किया।

उदयपुर मण्डल

शहीद दिवस पर महात्मा गाँधी को दी श्रद्धांजलि

◈ जिला प्रशासन, उदयपुर के तत्वावधान में पंचायत समिति कार्यालय परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की पुण्यतिथि शहीद दिवस पर पुष्पांजली, शपथ ग्रहण आयोजित कर शांति मार्च निकाला गया।

सुरेन्द्र कुमार पाण्डे सी.ओ स्काउट ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर भारत स्काउट व गाइड के 40 सदस्यों ने जिला कलक्टर ताराचन्द मीणा के आतिथ्य में गाँधी जी की तस्वीर के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर उपस्थित सभी को शपथ दिलाई। पंचायत समिति के मुख्य द्वार से कलक्टर ताराचन्द मीणा ने शांति मार्च को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया तथा कलक्टर एवं अन्य सभी अधिकारी शांति मार्च का हिस्सा बने।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन ओ.पी. बुनकर, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराडी, मुख्य

जिला शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश आमेटा, जिला परिषद बडगॉव विकास अधिकारी कैदार वैष्णव, महात्मा गाँधी जीवन दर्शन समिति सदस्य पंकज शर्मा, सी.ओ स्काउट सुरेन्द्र कुमार पाण्डे, पंचायत समिति प्रधान एवं जन प्रतिनिधिगण, शिक्षा विभाग, कॉलेज एज्यूकेशन, एन.एस.एस., खेलकूद विभाग के पदाधिकारी, प्रतिनिधि, सदस्यगण उपस्थित रहे।

शांति मार्च में रोवर्स, रेंजर्स, स्काउट्स गाइड्स एवं कार्यकर्ताओं ने गाँधी जी के सत्य, अहिंसा और सद्भावना का संदेश जन जन को देने के लिए हाथों में तख्तियाँ और बैनर लेकर आम जन, राहगीरों, वाहन चालकों को संदेश दिया।

राशमी ब्लॉक का स्काउट गाइड बिगिनर्स कोर्स

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के निर्देशानुसार स्थानीय संघ राशमी के तत्वावधान में 03 फरवरी 2022 को कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय राशमी में एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय बिगनर्स कोर्स का आयोजन चंद्रशंकर श्रीवास्तव सी.ओ. स्काउट चित्तौड़गढ़ के मुख्य आतिथ्य व जलधारी मीणा सीबीईओ राशमी की अध्यक्षता में किया गया। ब्लॉक स्तरीय बिगनर्स कोर्स के अंतर्गत 50 संभागियों ने भाग लिया। अध्यक्षीय उदबोधन में जलधारी मीना मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राशमी ने कहा कि राज्य सरकार, शिक्षा विभाग और जिला कलक्टर महोदय चित्तौड़गढ़ के निर्देशानुसार समस्त राजकीय व निजी विद्यालयों में स्काउटिंग गतिविधि का संचालन किया जाना अनिवार्य है इसीलिए चित्तौड़गढ़ जिले में ब्लॉक स्तर पर एक दिवसीय बिगनर्स कोर्स का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने राशमी ब्लॉक के समस्त पी.ई.ई.ओ. व संस्था प्रधान को विद्यालय में आयु वर्ग के अनुसार स्काउट गाइड गतिविधि संचालन हेतु प्रभारी की नियुक्ति करने, प्रभारी को बेसिक कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त करने, विद्यालय में गतिविधि का सक्रिय और प्रभावी संचालन कर ब्लॉक व जिला स्तरीय गतिविधियों के साथ राज्य व राष्ट्रीय स्तरीय गतिविधियों में भी सहभागिता कर स्काउट गाइड बालक बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कहा।

स्थानीय संघ सचिव रामेश्वर लाल अहीर ने बताया कि बिगनर्स कोर्स के अंतर्गत संभागियों को स्काउट गाइड गतिविधि संचालन हेतु स्काउट गाइड आंदोलन की जानकारी, संस्था के विभिन्न अनुभाग, नियम, प्रतिज्ञा, आदर्श वाक्य, चिन्ह, सैल्यूट, बायां हाथ मिलाना, प्रार्थना, झंडा गीत, राष्ट्रगान, ध्वज शिष्टाचार, संगठनात्मक संरचना, यूनिट का पंजीकरण व संचालन कैसे करें, यूनिट लीडर की उन्नति आदि विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। बिगनर्स कोर्स के अंतर्गत स्काउटर प्यारेलाल सैन, सत्यनारायण सोमानी, सत्यनारायण शर्मा, पुष्पेंद्र जोशी, कैलाश चंद्र अहीर, गाइडर शीला दशोरा, रेखा कुमावत, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय छात्रावास प्रभारी सुनीता स्वर्णकार प्रियदर्शन सिंह ने प्रशिक्षण व सहयोग प्रदान किया।

स्काउट का तृतीय सोपान शिविर

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमंद व स्थानीय संघ राजसमंद के तत्वावधान में चल रहे 5 दिवसीय स्काउट सेक्शन का तृतीय सोपान शिविर का उद्घाटन 14 फरवरी को ध्वजारोहण के साथ किया गया। सी.ओ.स्काउट छैलबिहारी शर्मा ने बताया कि प्रथम दिवस का ध्वजारोहण कार्यक्रम स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर की अध्यक्षता में हुआ। शिविर में जिलेभर के बालक स्काउटिंग विधा की बारिकियों से पारंगत हुए। उद्घाटन सत्र में स्काउट्स के दलों का गठन कर उनके आवास की व्यवस्था सुनिश्चित की गई, साथ ही उन्हें प्रार्थना, नियम, प्रतिज्ञा, झण्डा गीत व केम्प फायर, प्रभाती व रात्रि गायन का अभ्यास कराया गया। द्वितीय दिवस में स्काउट वेशभूषा, कम्पास की जानकारी, आन्दोलन की जानकारी व प्रथम द्वितीय सोपान की गांठों का अभ्यास

कराया गया। इस शिविर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मुण्डोल, विवेकानन्द मॉडल स्कूल रेलमगरा, रा.उ. मा.वि. खटामला, द क्रिएटिव ब्रेन एकेडमी मजा राजसमंद, राउमावि, मिंयाला देवगढ़ के स्काउट बालकों ने भाग लिया। शिविर संचालक दल में धर्मेन्द्र गुर्जर, अरूण पालीवाल, वरिष्ठ ट्रेनिंग काउंसलर, रोशनलाल रेगर वरिष्ठ स्काउटर, प्रेमसिंह राणावत सचिव स्थानीय संघ रेलमगरा, कैलाशचन्द्र आमेटा, रामसिंह चौहान व कला शर्मा ने अपनी सेवाएं दी।

कैम्प फायर में संभागियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ पर 4 फरवरी से संचालित जिला स्तरीय निपुण रोवर रेंजर प्रशिक्षण एवं जांच शिविर के चौथे दिन शिविर की अंतिम रात्रि के अवसर पर शिविरार्थियों के लिए विशाल कैम्प फायर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री योगेश कुमार मीणा, एनडीआरएफ प्रभारी, राजस्थान, विशिष्ट अतिथि इंस्पेक्टर सुरेश कुमार गुर्जर, प्रभु स्वामी, राम सिंह सैनी, कमांडो ओम सिंह राठौड़, रोवर लीडर ओम प्रकाश सुखवाल

एवं अध्यक्षता चन्द्रशंकर श्रीवास्तव सी.ओ. स्काउट ने की।

विशाल शिविर ज्वाल कार्यक्रम के अंतर्गत रोवर्स द्वारा देश भक्ति के साथ साथ भ्रष्टाचार, बाल विवाह, अंधविश्वास जैसी बुराइयों को दूर करने का संदेश देने वाले नाटक प्रस्तुत कर सभी को आकर्षित किया तो रेंजर्स की टोली ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कन्या भ्रूण हत्या जैसे विषय पर शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को भावुक कर दिया। इसके साथ ही रेंजर्स ने राजस्थान व देशभक्ति गीत गाकर सभी मंत्रमुग्ध किया।

इस अवसर पर शिविर संचालक चतर सिंह, सत्य नारायणी सोमानी, फरमान अली, मनोज कुमार बोहरा, हेमेंद्र कुमार सोनी द्वारा अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में गाइडर शीला दशोरा, सुनीता अग्रवाल, रोवर प्रियदर्शन सिंह चारण, दिव्यांशु कुमावत, महेंद्र सिंह, जसवंत बहादुर, रेंजर जयश्री कुमावत, सोनल कुमावत, रानी तम्बोली, मधुबाला कुमावत, राजरानी आदि ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'शिविर जीवन' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

शिविर जीवन
CAMPER

बालक–बालिकाओं में शिविर जीवन के प्रति रूचि एवं इनका व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से शिविर जीवन दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। जीवन में हर परिस्थिति में सही तरीके से जीवन व्यतीत करने और घर से बाहर की दिनचर्या में दक्षता हांसिल करने के बारे में पूर्ण जानकारी प्रदान करना तथा उसी आधार पर परीक्षण करने के उपरान्त शिविर जीवन दक्षता बैज प्रदान किया जाता है। इसे प्राप्त करने की प्रक्रिया निम्नानुसार है –

1. एक सप्ताह के शिविर तथा सप्ताहन्त हाइक या समुद्री यात्रा के लिए व्यक्तिगत आवश्यक सामान की जानकारी हो। सात लड़कों वाले एक सप्ताहन्त टोली शिविर या समुद्री यात्रा के लिए सामान तथा खाद्य–सामग्री (राशन) की जानकारी हो।
2. टोली अथवा दल के शिविर के लिए स्थान चयन के मुख्य बिन्दुओं की जानकारी हो तथा साथ ही साथ कच्ची योजना बना कर बताए कि वह तम्बू, रसाईघर व सफाई आदि का ध्यान रखते हुए एक टोली–शिविर की व्यवस्था कैसे करेगा।

   अथवा

   खेई जाने वाली या पाल वाली नाव या समुद्री जहाज के लिए लंगर डालने, बाँधने या लंगर डालने के बाद जहाज को इधर–उधर हिलने के लिए पर्याप्त स्थान को चुनना जाने।
3. इस तथ्य का प्रदर्शन करें कि –

   (अ) वह कुल्हाड़ी के प्रयोग एवं उसकी सुरक्षा उपायों के बारे में जानता है।

   (ब) प्रथम सोपान व द्वितीय सोपान की गाँठों के अतिरिक्त स्लिप रीफ, उब्ल शीट बैंड, बोलाइन ओन ए बाइट और मैन हार्नेस बांधना और उनके उपयोग को जानता है।
4. 90 पौंड तथा 180 पौंड वाली छोलदारी की छोटी–मोटी मरम्मत करना, उसे गाड़ना (लगाना), उखाड़ना तथा तह करने (समेटने) का प्रदर्शन कर सके या स्थानीय उपलब्ध सामग्री से अपनी टोली के सोने योग्य पर्याप्त झोपड़ी बना सके।
5. शिविर पाक विद्या के ज्ञान का प्रदर्शन कर सके तथा भोजन को सुरक्षित ढंग से रखने, पानी को साफ करने तथा कूड़े–करकट को नष्ट करने के तरीकों की सन्तोषजनक जानकारी का प्रदर्शन कर सके।
6. वह अपनी टोली या दल के साथ तम्बू में स्वनिर्मित अस्थायी झोपड़ी में , या जहाज पर या नाव पर कम–से–कम 12 रात्रि का शिविर कर चुका हो और कम–से–कम तीन रात तक अकेला या किसी दूसरे स्काउट के साथ शिविर कर चुका हो। उपरोक्त दोनों दशाओं में ये रातें लगातार होना जरूरी नहीं है।

पृष्ठ 15 का शेष

मानव व्यवहार का विश्लेषण

पालन पूर्ण निष्ठा एवं मनोयोग एवं ईमानादारी के साथ करना चाहिये।

सारांश :-

इन उदाहरणों से यह बात तो निश्चित ही समझ में आती है की नेतृत्व के लिए दूसरों के साथ चलना व दूसरों को साथ लेकर चलना बेहद ही जरूरी है। ऐसा करने के लिए किसी भी व्यक्ति को व्यवहार विश्लेषण का उपयोग करना आवश्यक है। कभी–कभी परिस्थितिवश प्रतिकुल व्यवहार भी करना पड़ सकता है। लेकिन यह जरूर ध्यान में रखना आवश्यक है कि किसी भी आचार व्यवहार विश्लेषण के समय व्यक्ति सही शब्दों, सही अभिव्यक्ति, सही मुद्रा एवं सही संकेतों का प्रयोग करें तो निश्चित ही अच्छे नेतृत्व के गुण हममें समावेश हो जायेंगे। कभी–कभी व्यक्ति किसी की बात से असहमत हो सकता है। पर यह असहमति अंत में शत्रुता में नहीं बदलनी चाहिये।

कभी भी अपरिवर्तनीय आचार का प्रयोग नहीं करें यदि कहीं अपरिवर्तनीय आचार प्राप्त होता है तो हमें मुस्कान के साथ समाहित कर उसे पूरक आचार में बदलने का प्रयास करते हुए अपनी परिपक्वता का प्रदर्शन करना आवश्यक है। इसी से ही हम में नेतृत्व के गुणों का समावेश संभव है।

अंत में इस लेख से हमें यह शिक्षा मिलती है कि किसी भी व्यक्ति को अपने जीवन में अच्छे नेतृत्व के लिए आवश्यक है कि अपने संपूर्ण जीवन काल की अलग अलग आयु वर्ग की मनःस्थितियों के अनुसार व्यवहार का विश्लेषण करे तथा किसी की कही सुनी बातों पर जिसको उसने कभी देखा तक नहीं है के आधार पर ही निर्णय नहीं करना चाहिये। अपितु जीवन में सभी आयु वर्ग के अनुसार प्राप्त ज्ञान, विचारों एवं बातों, उपदेशों के साथ में अपने स्वयं के विचारों, उपलब्ध पुस्तकों तथा ज्ञान का भी अध्ययन करते हुए तर्क संगत निर्णय लेना आवश्यक है।

प्रमुख दिवस

विश्व जल दिवस

◇ स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

जल के विषय में एक नहीं बल्कि कई चौंका देने वाले तथ्य सामने आये हैं। विश्व में और विशेष रूप से भारत में पानी किस प्रकार नष्ट होता है, इस विषय में जो तथ्य सामने आए हैं, उस पर जागरूकता से ध्यान देकर हम पानी के अपव्यय को रोक सकते हैं। अनेक तथ्य ऐसे हैं, जो हमें आने वाले खतरे से तो सावधान करते ही हैं, दूसरों से प्रेरणा लेने के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं। पानी के महत्व व इसके अनजाने स्रोतों की जानकारी भी इनसे मिलती है।

विश्व जल दिवस प्रत्येक वर्ष 22 मार्च को मनाया जाता है। आज विश्व में जल का संकट कोने–कोने में व्याप्त है। लगभग हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। दुनिया औद्योगीकरण की राह पर चल रही है, किंतु स्वच्छ और रोग रहित जल मिल पाना कठिन हो रहा है। विश्व भर में साफ जल की अनुपलब्धता के चलते ही जल जनित रोग महामारी का रूप ले रहे हैं। कहीं–कहीं तो यह भी सुनने में आता है कि अगला विश्व युद्ध जल को लेकर होगा। इंसान जल की महत्ता को लगातार भूलता गया और उसे बर्बाद करता रहा, जिसके फलस्वरूप आज जल संकट सबके सामने है। विश्व के हर नागरिक को पानी की महत्ता से अवगत कराने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र ने "विश्व जल दिवस" मनाने की शुरुआत की थी।

जल दिवस का प्रारम्भ

'विश्व जल दिवस' मनाने की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1992 के अपने अधिवेशन में 22 मार्च को की थी। 'विश्व जल दिवस' की अंतरराष्ट्रीय पहल 'रियो डि जेनेरियो' में 1992 में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी, जिस पर सर्वप्रथम 1993 को पहली बार 22 मार्च के दिन पूरे विश्व में 'जल दिवस' के मौके पर जल के संरक्षण और रख–रखाव पर जागरुकता फैलाने का कार्य किया गया।

संकल्प का दिन

'22 मार्च' यानी कि 'विश्व जल दिवस', पानी बचाने के संकल्प का दिन है। यह दिन जल के महत्व को जानने का और पानी के संरक्षण के विषय में समय रहते सचेत होने का दिन है। आँकड़े बताते हैं कि विश्व के 1.5 अरब लोगों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है। प्रकृति इंसान को जीवनदायी संपदा जल एक चक्र के रूप में प्रदान करती है, इंसान भी इस चक्र का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं। चक्र को गतिमान रखना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। इस चक्र के थमने का अर्थ है, जीवन का थम जाना। प्रकृति के ख□जाने से जितना पानी हम लेते हैं, उसे वापस भी हमें ही लौटाना है। हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते। अतः प्राकृतिक संसाधनों को दूषित नहीं होने देना चाहिए और पानी को व्यर्थ होने से भी बचाना चाहिए। **22 मार्च का दिन यह प्रण लेने का दिन है कि हर व्यक्ति को पानी बचाना है।**

जल ही जीवन

जल ही जीवन है, जल के बिना जीवन की कल्पना अधूरी है। सब लोग इस तथ्य को भली–भाँति जानते हैं कि जल कितना महत्त्वपूर्ण है। लेकिन यह सब बातें हम तब भूल जाते हैं, जब अपनी पानी से भरी टंकी के सामने मुँह धोते हुए पानी को बर्बाद करते रहते हैं। हम कई लीटर मूल्यवान पानी अपनी कीमती कार को नहलाने में या फिर स्वयं भी काफी देर तक नहाने में बर्बाद कर देते हैं। किताबी दुनिया और किताबी ज्ञान को हममें से बहुत कम ही असल जिंदगी में उतार पाते हैं और इसी का नतीजा है कि आज भारत और विश्व के सामने पीने के पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है। धरातल पर तीन चौथाई पानी होने के बाद भी पीने योग्य पानी एक सीमित मात्रा में ही उपलब्ध है। उस सीमित मात्रा के पानी का इंसान ने अंधाधुध दोहन किया है। नदी, तालाबों और झरनों को पहले ही हम कैमिकल की भेंट चढ़ा चुके हैं, जो बचा हुआ है, उसे अब हम अपनी अमानत समझ कर अंधाधुंध खर्च कर रहे हैं। लोगों को पानी खर्च करने में कोई हर्ज भी नहीं, क्यूंकि अगर घर के नल में पानी नहीं आता तो वह पानी का टैंकर आदि मंगवा लेते हैं। किंतु हालात हर जगह एक जैसे नहीं होते हैं।

भारत में जल संकट

यदि हम भारत की बात करें तो देखेंगे कि एक तरफ दिल्ली, मुंबई जैसे महानगर हैं, जहाँ पानी की किल्लत तो है, किंतु फिर भी यहाँ पानी की समस्या विकराल रूप में नहीं है। लेकिन देश के कुछ ऐसे राज्य भी हैं, जहाँ आज भी कितने ही लोग साफ पानी के अभाव में या फिर

रोग जनित गन्दे पानी से दम तोड़ रहे हैं। राजस्थान, जैसलमेर और अन्य रेगिस्तानी इलाकों में पानी आदमी की जान से भी ज़्यादा कीमती है। पीने का पानी इन इलाकों में बड़ी कठिनाई से मिलता है। कई–कई किलोमीटर चल कर इन प्रदेशों की महिलाएँ पीने का पानी लाती हैं। इनकी जिंदगी का एक अहम समय पानी की जद्दोजहद में ही बीत जाता है।

महत्त्वपूर्ण तथ्य

जल के विषय में एक नहीं बल्कि कई चौंका देने वाले तथ्य सामने आये हैं। विश्व में और विशेष रूप से भारत में पानी किस प्रकार नष्ट होता है, इस विषय में जो तथ्य सामने आए हैं, उस पर जागरूकता से ध्यान देकर हम पानी के अपव्यय को रोक सकते हैं। अनेक तथ्य ऐसे हैं, जो हमें आने वाले ख़तरे से तो सावधान करते ही हैं, दूसरों से प्रेरणा लेने के लिए भी प्रोत्साहित करते हैं। पानी के महत्व व इसके अनजाने स्रोतों की जानकारी भी इनसे मिलती है। निम्नलिखित कुछ तथ्य ध्यान देने योग्य हैं–

– मुंबई में रोज वाहन धोने में ही 50 लाख लीटर पानी खर्च हो जाता है।

– दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइप लाइनों के वॉल्व की खराबी के कारण रोज 17 से 44 प्रतिशत पानी बेकार बह जाता है।

– इजराइल में औसतन मात्र 10 सेंटीमीटर वर्षा होती है। इस वर्षा से वह इतना अनाज पैदा कर लेता है कि वह उसका निर्यात कर सकता है। दूसरी ओर भारत में औसतन 50 सेंटीमीटर से भी अधिक वर्षा होने के बावजूद अनाज की कमी बनी रहती है।

– पिछले 50 वर्षों में पानी के लिए 37 भीषण हत्याकांड हुए हैं।

– भारतीय नारी पीने के पानी के लिए रोज ही औसतन 4 मील (लगभग 6.4 कि.मी.) सफर पैदल ही तय करती है।

– जल जनित रोगों से विश्व में हर वर्ष 22 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

– हमारे पृथ्वी ग्रह का 70ः से अधिक हिस्सा जल से भरा है, जिस पर एक अरब 40 घन किलो लीटर पानी है। परन्तु, जल की इस विशाल मात्रा में मीठे जल की मात्रा काफी कम है। इसमें से 97.3 प्रतिशत पानी समुद्र में है, जो खारा है, शेष 2.7ः मीठा जल है। इसका 75.2 फीसदी भाग ध्रुवीय क्षेत्रों में तथा 22.6 फीसदी भूमि जल के रूप में है। इस जल का शेष भाग झीलों, नदियों, कुओं, वायुमंडल में, नमी के रूप में तथा हरे पेड़–पौधों में उपस्थित होता है। इनमें से उपयोग में आने वाला जल का हिस्सा थोड़ा है, जो नदियों, झीलों, तथा भूमि जल के रूप में मौजूद होता है। इस पानी का 60वाँ हिस्सा खेती और उद्योग कारखानों में खपत होता है। बाकी का 40वाँ हिस्सा हम पीने, भोजन बनाने, नहाने, कपड़े धोने एवं साफ–सफाई में खर्च करते हैं। दुनिया में उपस्थित मीठे जल की एक प्रतिशत मात्राख्1, हमारे सीधे उपयोग के लिए उपलब्ध है।

– प्रत्येक व्यक्ति को कहीं भी प्रतिदिन 30 से 50 लीटर स्वच्छ तथा सुरक्षित जल की आवश्यकता होती है और इसके बावजूद 884 मिलियन लोगों को सुरक्षित जल उपलब्ध नहीं है।

– दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष 1,500 घन किलोमीटर गंदे जल का निर्माण होता है। भले ही गंदगी तथा गंदे जल को ऊर्जा तथा सिंचाई के लिए उपयोग में लाया जा सकता हैं, पर ऐसा होता नहीं है। विकासशील देशों में 80 फीसदी कचरों को बिना शुद्ध किये हीं निष्कासित कर दिया जाता है, क्योंकि उनमें इसके लिए कोई नियम तथा संसाधन उपलब्ध नहीं है।

– यदि ब्रश करते समय नल खुला रह गया है, तो पाँच मिनट में करीब 25 से 30 लीटर पानी बरबाद होता है।

– नहाने के टब में नहाते समय 300 से 500 लीटर पानी खर्च होता है, जबकि सामान्य रूप से नहाने में 100 से 150 लीटर पानी खर्च होता है।

– विश्व में प्रति 10 व्यक्तियों में से 2 व्यक्तियों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल पाता है।

– प्रति वर्ष 3 अरब लीटर बोतल पैक पानी मनुष्य द्वारा पीने के लिए प्रयुक्त किया जाता है।

– नदियाँ पानी का सबसे बड़ा स्रोत हैं। जहाँ एक ओर नदियों में बढ़ते प्रदूषण रोकने के लिए विशेषज्ञ उपाय खोज रहे हैं, वहीं कल कारखानों से बहते हुए रसायन उन्हें भारी मात्रा में दूषित कर रहे हैं। ऐसी अवस्था में जब तक कानून में सख्ती नहीं बरती जाती, अधिक से अधिक लोगों को दूषित पानी पीने का समय आ सकता है।

– पृथ्वी पर पैदा होने वाली सभी वनस्पतियाँ से हमें पानी मिलता है।

– आलू में और अनन्नास में 80 प्रतिशत और टमाटर में 15 प्रतिशत पानी होता है।

– पीने के लिए मानव को प्रतिदिन 3 लीटर और पशुओं को 50 लीटर पानी की आवश्यकता होती है।

– एक लीटर गाय का दूध प्राप्त करने के लिए 800 लीटर पानी खर्च करना पड़ता है। एक किलो गेहूँ उगाने के लिए एक हजार लीटर और एक किलो चावल उगाने के लिए चार हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार भारत में 83 प्रतिशत पानी खेती और सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है।

बारिश के पानी का महत्त्व

विश्व की बढ़ती हुई जनसंख्या तथा

औद्योगिक विकास ने भी प्रदूषण में बढ़ोतरी की है, जिससे अब स्वच्छ जल की मांग और भी बढ़ गई है। मानव तथा पर्यावरण दशा, पेय जल तथा कृषि जल की वर्तमान और भविष्य की उपलब्धता खतरे में है। इसके बावजूद जल प्रदूषण एक प्रभावशाली मुद्दा नहीं बन पा रहा है। आज का समय बहुत महत्त्वपूर्ण है, जब प्रत्येक व्यक्ति को वर्षा का पानी अधिक से अधिक बचाने की कोशिश करनी चाहिए। बारिश की एक–एक बूँद कीमती है। इन्हें सहेजना बहुत ही आवश्यक है। यदि अभी पानी नहीं सहेजा गया, तो संभव है कि पानी केवल हमारी आँखों में ही बच पाएगा। पहले कहा गया था कि हमारा देश वह देश है, जिसकी गोदी में हजारों नदियाँ खेलती थीं, किंतु आज वे नदियाँ हजारों में से केवल सैकड़ों में ही बची हैं। वे सब नदियाँ कहाँ गई, कोई नहीं बता सकता। नदियों की बात छोड़ दी जाये तो हमारे गाँव–मोहल्लों से तालाब आज गायब हो गए हैं। इनके रख–रखाव और संरक्षण के विषय में बहुत कम कार्य किया गया है।

जागरुकता की आवश्यकता

पानी का महत्व भारत के लिए कितना है, यह हम इसी बात से जान सकते हैं कि हमारी भाषा में पानी पर आधारित कई मुहावरे और लोकोक्तियाँ हैं। विज्ञान और पर्यावरण के ज्ञान से मानव ने जो प्रगति की है, उसे प्रकृति संरक्षण में लगाना भी जरूरी है। पिछले सालों में तमिलनाडु ने वर्षा जल का संरक्षण करके जो मिसाल कायम की है, उसे सारे देश में विकसित करने की आवश्यकता है। ऐसा नहीं है कि पानी की समस्या से हम जीत नहीं सकते। अगर सही ढ़ंग से पानी का सरंक्षण किया जाए और जितना हो सके पानी को बर्बाद करने से रोका जाए तो इस समस्या का समाधान बेहद आसान हो जाएगा। लेकिन इसके लिए जरुरत है– जागरुकता की। एक ऐसी जागरुकता की, जिसमें छोटे से छोटे बच्चे से लेकर बड़े–बूढ़े भी पानी को बचाना अपना धर्म समझें।

गतिविधि पञ्चांग

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
3rd National Disaster Management Scout Camp	20-24 March, 2022	Bangladesh
448th National Adventure Programme	01-07 April, 2022	NAI, Pachmarhi
449th National Adventure Programme	17-23 April, 2022	NAI, Pachmarhi
450th National Adventure Programme	25 April - 01 May, 2022	NAI, Pachmarhi

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
SAANSO Course for Leader Trainers (CLT)	23 -29 March, 2022	Gazipur, Bangladesh
25th World Scout Jamboree	01 - 12 August, 2023	Saemangeum, Korea

National Headquarters website : www.bsgindia.org

संभागीय आयुक्त नीरज के पवन नशा मुक्ति अभियान के शुभारंभ अवसर पर स्काउट गाइड द्वारा आयोजित साइकिल रैली के साथ साइकिल चलाते हुए। हरी झंडी दिखा रहे हैं जिला कलक्टर बीकानेर

करौली जिले में नवनियुक्त जिला कलेक्टर श्री राजेंद्र सिंह शेखावत का जिला स्काउट गाइड परिवार की ओर से स्वागत करते हुए पदाधिकारीगण

स्थानीय संघ, जालसू द्वारा आयोजित समारोह में मंचासीन स्टेट कमिश्नर (वयस्क संसाधन) महेन्द्र पारख एवं राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन व अन्य पदाधिकारीगण

स्टेट कमिश्नर (गाइड) एवं जिला कलक्टर श्रीगंगानगर श्रीमती रूक्मणि सिहाग का स्वागत करते हुए स्काउट अधिकारी

जिला कलक्टर, बीकानेर द्वारा सम्मानित होते हुए स्काउट सहायक महेश कुमार शर्मा

राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य के मुख्य आतिथ्य में जयपुर के सुबोध पीजी कॉलेज से जागरूकता रैली निकाली गई।

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी.जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141–2706830 द्वारा मैसर्स प्रीमियर प्रिन्टिंग प्रेस, 12 रामनगर, हवा सड़क, सोडाला, जयपुर–302019 फोन : 0141–2294887, 2295097 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति ₹ पन्द्रह
प्रकाशन – प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/1835

प्रेषक :–
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर–302015
फोन :0141–2706830, 2941098
ई–मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti